।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fortnightly

बात हिन्दुस्तान की

BAAT HINDUSTAN KI

RNI No.: WBHIN/2021/84049

विक्रम संवत 2083 वैशाख, शुक्ल पक्ष चतुर्थी, 1 -15 मई 2026 (1-15 MAY 2026), वर्ष - 6 (YEAR - 6), अंक - 01, पृष्ठ - 4, मूल्य - ₹2, (PRICE - 2/-)

बंगाल में भय जा रहा, भरोसा आ रहा है चार मई को कमल खिलना तय : मोदी

सोनू कुमार झा : बंगाल में विधानसभा के पहले चरण के मतदान के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बड़ा दावा किया कि जबसे वे राजनीति में आए हैं, पिछले 50 साल में ये पहला चुनाव ऐसा है, जिसमें यहां कम से कम (न्यूनतम) हिंसा हुई है। पीएम ने इसका श्रेय चुनाव आयोग को देते हुए कहा कि उन्होंने फिर से एक बार बंगाल की धरती पर लोकतंत्र की प्रतिष्ठा स्थापित की है। नदिया जिले के कृष्णानगर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि चुनाव में न्यूनतम इ्क्षहसा और मतदान के आंकड़े सिद्ध करते हैं कि बंगाल से अब भय जा रहा है और भरोसा आ रहा है। बंगाल में मतदान पुराने सारे रिकार्ड तोड़ रहा है। पीएम ने बंगाल में चुनावी इ्क्षहसा के इतिहास की ओर इशारा करते हुए कहा कि वरना पहले चुनाव के दौरान हर हफ्ते यहां किसी न किसी को फांसी पर लटका दिया जाता था और बोल देते थे कि आत्महत्या कर ली। एक प्रकार से गुंडाराज चलता था। चुनाव आयोग का धन्यवाद करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण मतदान कराने में ये सफलता बहुत बड़ी सिद्धि है। देश में जहां-जहां भारी मतदान हुआ है वहां भाजपा को प्रचंड विजय मिली है। भाजपा की जीत का दावा करते हुए कहा कि बंगाल में परिवर्तन की आंधी चल रही है। चार मई को कमल खिलना तय है।

पीएम ने अपने हालिया बंगाल दौरे में झाड़ग्राम में एक दुकान से झालमुड़ी खाने पर हुए सियासी विवाद पर टीएमसी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि झालमुड़ी ने भी कुछ लोगों को झन्नाटेदार झटका दिया है। झालमुड़ी मैंने खाई, लेकिन मिर्ची टीएमसी को लगी।

'मिठाई के साथ झालमुड़ी भी बंटेगी'

मोदी ने कहा कि बंगाल में चार मई को भाजपा की विजय का जश्न होगा और उस दिन मिठाई के साथ झालमुड़ी भी बांटी जाएगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीएम के झालमुड़ी खाने को चुनावी नाटक बताया था, जिसके बाद मोदी ने पलटवार किया है। मोदी ने दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप में भी जनसभा को संबोधित किया।

कई जिलों में टीएमसी का खाता तक नहीं खुलेगा

मोदी ने कहा कि बंगाल में इस बार टीएमसी के खिलाफ इतना गुस्सा है कि कई जिलों में सत्तारूढ़ दल का खाता तक नहीं खुलेगा। तृणमूल की घुसपैठियों को समर्थन देने की नीति को खत्म करना जरूरी है, क्योंकि यह हमारी भूमि के लिए खतरा पैदा करती है। टीएमसी की हर दुकान को बंद करेंगे। 15 साल पहले वाममोर्चा के विरुद्ध जनता ने बिगुल फूंका था। आज टीएमसी के जंगलराज के विरुद्ध जनता हर गली मोहल्ले में शंख फूंक रही है। ये चुनाव न मोदी लड़ रहा है और न ही मेरे साथी। चुनाव जनता जनार्दन लड़ रही है।

'चार मई को केवल परिणाम नहीं परिवर्तन आएगा'

काकद्वीप की जनसभा में मोदी ने कहा कि चार मई को बंगाल में केवल परिणाम नहीं, परिवर्तन आएगा। बंपर मतदान दर्शा रहा है कि भय हार रहा है और भरोसे की जीत पक्की है। टीएमसी के 15 साल के सिंडिकेट सिस्टम और महाजंगलराज की एक्सपायरी डेट अब आ गई है। यह चार मई है। टीएमसी ने 15 वर्षों में बंगाल को सिर्फ झूठे वादे और धोखा दिया। राज्य के लिए अपनी पूर्व की छह चुनावी गारंटियों के वादों पर आगे बढ़ते हुए, प्रधानमंत्री ने बंगाल की महिलाओं के उत्थान और कल्याण के उद्देश्य से नई 10 मोदी-की-गारंटियों की भी घोषणा की।

हावड़ा में पहली बार पीएम ने किया रोड शो

पीएम ने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में शाम में हावड़ा शहर में तीन किलोमीटर लंबा रोड शो भी किया। लिलुआ में एमसीकेवी स्कूल से शुरू रोड शो सलकिया चौरास्ता पर समाप्त हुआ। इस दौरान जीटी रोड के दोनों ओर एकत्र भीड़ का पीएम ने अभिवादन किया। पीएम की एक झलक पाने के लिए सड़क के दोनों ओर लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा था। यह पहली बार है जब कोई पीएम ने हावड़ा में रोड शो किया है।

महिलाओं को मोदी की 10 गारंटी

-महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को कड़ी सजा मिलेगी। हर ब्लाक में महिला थाने बनेंगे।
-पुलिस बल व अन्य सरकारी नौकरियों में बेटियों की होगी भर्ती।
-हर साल 36,000 रुपये सीधे महिलाओं के खातों में दिए जाएंगे।
-बेटियों को ग्रेजुएशन के लिए 50,000 रुपये दिए जाएंगे।
-गर्भवती माताओं को 21,000 रुपये की सहायता।
-बच्चों के पोषण के लिए 36,000 रुपये की अतिरिक्त सहायता।
-सुकन्या समृद्धि योजना के जरिए बेटियों का भविष्य सुरक्षित करना।
-स्वरोजगार के लिए 20 लाख रुपये तक का मुद्रा लोन और लखपति दीदी योजना का विस्तार।
-आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज। सर्वाइकल कैंसर का मुफ्त टीका।
-घर की रजिस्ट्री महिलाओं के नाम पर होगी।

मतदान के बाद ममता का दावा- 200 सीटें हम पार करेंगे, सुवेंदु ने 180 सीटें जीतने का किया दावा

सोनी कुमारी झा: बंगाल में दूसरे व अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के बाद सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी भाजपा दोनों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने भवानीपुर क्षेत्र में मतदान करने के बाद कहा कि हम आशावादी हैं कि 200 सीटें तो हम पार करेंगे। भवानीपुर सीट से उम्मीदवार ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा व केंद्र सरकार ने चुनाव आयोग की मिलीभगत से चारों तरफ से अत्याचार किया। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री खुद दखल दे रहे हैं... यह सब क्यों?
ममता ने कहा कि हार के डर से भाजपा ने चुनाव में इतनी बड़ी संख्या में केंद्रीय बलों को लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों ने चुनाव में भाजपा के एजेंट की तरह काम किया। ममता ने विश्वास जताया कि तमाम अत्याचार के बावजूद तृणमूल भारी बहुमत से चुनाव में जीत दर्ज करेगी।

दूसरी ओर, नंदीग्राम और भवानीपुर सीटों से भाजपा उम्मीदवार व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि मैं ग्राउंड का एग्जिट पोल बता रहा हूं कि भाजपा को 180 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। अच्छे बहुमत से भाजपा की सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बन रही है। उन्होंने दावा किया कि हिंदुओं ने खुलकर तृणमूल के खिलाफ वोट किया है।

प्राचीन बंगाल का सांस्कृतिक पुनरागमन

ऋद्धि भट्टाचार्य
कोलकाता:- कोलकाता की ऐतिहासिक विरासत के माहौल में प्राचीन मानिकतला राजबाड़ी में एक अनोखा पारंपरिक फैशन और सांस्कृतिक आयोजन संपन्न हुआ। प्राचीन बंगाल की ऐश्वर्यशाली परंपरा, भव्यता और जमींदार घरानों की विलुप्त होती संस्कृति को नई पीढ़ी के सामने प्रस्तुत करने के उद्देश्य से इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। राजबाड़ी की पुरानी स्थापत्य कला, झूमर, नक्काशीदार बालकनियाँ और ऐतिहासिक आंतरिक महलों के वातावरण में मानो पुराना बंगाल फिर से जीवित हो उठा था।

कार्यक्रम की निर्माता प्रीति राय दास के प्रयासों से आयोजित इस विशेष आयोजन में चित्रांकन की जिम्मेदारी दीपा वर्मन ने संभाली थी। विशेष अतिथि के रूप में एषा दे उपस्थित थीं। अतिथि मॉडल के रूप में प्रसेन तिवारी और देवलिना पाल ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मॉडल्स का वह समूह था, जिनकी वेशभूषा और प्रस्तुति में पुराने समय की बंगाली महिलाओं की पारंपरिक छवि स्पष्ट रूप से झलक रही थी। प्रतिभागी मॉडलों में टीना पात्र, रिया कांसबनिक, रूमा पटनायक, रमा सरकार, शोभिता राय, महुआ घोष, मोनालिसा नाग, प्रियंका चक्रवर्ती, प्रीति सिंह, अरिजीत नाथ और प्रीति दास शामिल थीं। उनके परिधानों, आभूषणों और अभिव्यक्तियों में जमींदार घरानों की भव्य परंपरा और पुराने समय की अभिजात संस्कृति की झलक देखने को मिली।

मेकअप कलाकारों के कुशल हाथों ने मॉडलों की सुंदरता को और अधिक जीवंत तथा ऐतिहासिक बना दिया था। यह जिम्मेदारी अनुश्री बसाक, सोमा दास, चिनू मंडल, झुम्पा माइती, दीपिका विश्वास, तन्मय धर, जुनी गांगुली, मुनमुन विश्वास, रूमी दास और रिजु मंडल ने संभाली थी। उनके रचनात्मक मेकअप और श्रृंगार ने प्रत्येक पात्र को मानो जीवित इतिहास में बदल दिया था।

आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम केवल एक फैशन शो नहीं था, बल्कि बंगाल की परंपरा, संस्कृति और विलुप्त होती भव्य जीवनशैली को याद करने का एक प्रयास था। मानिकतला राजबाड़ी के ऐतिहासिक वातावरण में इस अनूठी प्रस्तुति ने दर्शकों के मन पर विशेष छाप छोड़ी।

कार्यक्रम में उपस्थित मेहमानों और दर्शकों के अनुसार, आधुनिकता की भीड़ में इस प्रकार की परंपरा-प्रधान पहल वास्तव में प्रशंसनीय है और बंगाल की संस्कृति को नए रूप में प्रस्तुत करने का एक अनोखा प्रयास है।

बंगाल के मतदान से त्रिपुरा का 13 साल पुराना रिकार्ड टूटा

सोनू कुमार झा: भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे व अंतिम चरण के समापन के साथ ही राज्य ने मतदान प्रतिशत के मामले में अब तक के सारे राष्ट्रीय कीर्तिमानों को पीछे छोड़ दिया है। चुनाव आयोग के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, दूसरे चरण में रात दस बजे तक 92.43 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जिसने 13 वर्षों से अटूट त्रिपुरा के रिकार्ड को ध्वस्त कर दिया।
आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पहले और दूसरे चरण को मिलाकर बंगाल में औसत मतदान 92.85 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इससे पहले, विधानसभा चुनावों में सर्वाधिक मतदान का रिकार्ड त्रिपुरा (2013) के नाम था, जहां 91.82 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। उत्तर-पूर्वी राज्यों में मतदान का स्तर हमेशा ऊंचा रहता है—जैसे नगालैंड (1993) में 91.53 प्रतिशत और मणिपुर (1995) में 91.41 प्रतिशत लेकिन बंगाल की इस 'वोट क्रांति' ने सांख्यिकी के नए प्रतिमान स्थापित किए हैं।
जहां बंगाल और दक्षिण भारतीय राज्य (जैसे पुडुचेरी- 89.83 प्रतिशथ) लोकतंत्र के उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, वहीं उत्तर भारत के राज्य अब भी पिछड़े नजर आते हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों का प्रदर्शन बंगाल की तुलना में काफी फीका है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के अनुसार, स्वतंत्रता के बाद बंगाल में जनता की यह भागीदारी अभूतपूर्व है। यह आंकड़ा न केवल राजनीतिक जागरूकता को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि देश के मतदाता अब व्यवस्था में निर्णायक बदलाव के लिए पूरी तरह तत्पर हैं। यह ऐतिहासिक वृद्धि आने वाले समय में चुनावी रणनीतियों और लोकतंत्र की दिशा को नई परिभाषा देगी।

टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने भाजपा के बंगाल चुनाव हारने पर मोदी को इस्तीफा देने की चुनौती दी

बात हिंदुस्तान की ब्यूरो: तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भाजपा के बंगाल विधानसभा चुनाव ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी से हारने पर पद से इस्तीफा देने की चुनौती दी।

ओ'ब्रायन ने एक वीडियो संदेश में दावा किया कि मोदी ने स्वयं को राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों पर भाजपा के चेहरे के रूप में पेश किया है और उन्हें चुनौती स्वीकार करने के लिए कहा है।
तृणमूल कांग्रेस के सांसद ओ'ब्रायन ने कहा, "आपने स्वयं ही बंगाल की सभी 294 सीट पर उम्मीदवार होने की घोषणा की है। बड़े-बड़े दावे करना बंद करें और इस चुनौती को स्वीकार करें। चार मई को जब ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस बंगाल में जीत हासिल करें, तो मोदी प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने का साहस दिखाएं।" ओ'ब्रायन की यह टिप्पणी राज्य में विधानसभा चुनाव के बीच आयी है।

उदासीनता से उत्साह तक : कोलकाता ने रिकार्ड 88.50 प्रतिशत मतदान कर रचा इतिहास

सोनी कुमारी झा: आमतौर पर महानगरों व बड़े शहरों की पहचान चुनावों के दौरान कम मतदान से जुड़ी रही है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों की तरह कोलकाता भी लंबे समय तक इसी प्रवृत्ति का हिस्सा रहा है, जहां मतदान के दिन सड़कों पर सामान्य दिन जैसा सन्नाटा और बूथों पर सीमित भीड़ दिखती थी। लेकिन इस बार बंगाल विधानसभा चुनाव में सिटी आफ ज्वाय यानी कोलकाता ने अपनी पुरानी छवि को पूरी तरह बदलते हुए और देश में सारे मिथक को तोड़ते हुए मतदान के मामले में एक नया इतिहास रच दिया है। बुधवार को बंगाल में दूसरे व अंतिम चरण के लिए हुए मतदान में कोलकाता के मतदाताओं ने अभूतपूर्व उत्साह दिखाते हुए वोट प्रतिशत को 90 के करीब पहुंचा दिया। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, रात नौ बजे तक कोलकाता में रिकार्ड 88.50 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह न केवल कोलकाता के लिए, बल्कि देश के किसी भी बड़े महानगर के लिए अब तक का सर्वाधिक मतदान प्रतिशत माना जा रहा है।
इस रिकार्ड मतदान ने वर्षों पुरानी उस धारणा (मिथक) को तोड़ दिया है कि महानगरों के मतदाता चुनावी प्रक्रिया से दूरी बनाए रखते हैं। इसमें उत्तर कोलकाता का इलाका जिसमें सात विधानसभा क्षेत्र आते हैं, में 89.31 प्रतिशत जबकि दक्षिण कोलकाता जिसमें चार विधानसभा क्षेत्र हैं, में 87.70 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ है। विशेषकर उत्तर कोलकाता जो दक्षिण कोलकाता के मुकाबले कम मतदान के लिए जाना जाता रहा है, में भी इस बार रिकार्ड वोट पड़े हैं।

मतदाताओं में दिखा खासा उत्साह

इस बार सुबह से ही कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में मतदान केंद्रों पर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों-सभी वर्गों ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कई इलाकों में पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

2021 में हुआ था 63.21 प्रतिशत मतदान

पिछले चुनावों की बात करें तो 2021 के विधानसभा चुनाव में कोलकाता में 63.21 प्रतिशत मतदान हुआ था। 2016 के चुनाव में 64.54 प्रतिशत जबकि 2011 में 65.63 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसके मुकाबले इस बार रिकार्ड 20 प्रतिशत से अधिक मतदान यहां हुआ है।

असाधारण मतदान के पीछे कई कारण

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस असाधारण मतदान के पीछे कई कारण रहे। एक ओर जहां चुनावी मुकाबला बेहद कड़ा और हाई-प्रोफाइल रहा, वहीं दूसरी ओर हिंसा मुक्त व शांतिपूर्ण मतदान के लिए केंद्रीय बलों की पर्याप्त तैनाती से लेकर राजनीतिक दलों द्वारा चलाए गए व्यापक जनसंपर्क अभियानों ने भी मतदाताओं को घरों से बाहर निकलने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा, इंटरनेट मीडिया और जागरूकता अभियानों ने भी लोगों में वोटिंग के प्रति जिम्मेदारी का भाव मजबूत किया। एसआइआर भी एक प्रमुख कारण रहा। एसआइआर प्रक्रिया के बाद कई लोगों ने यह महसूस किया कि मतदान नहीं करने पर भविष्य में मतदाता सूची से उनके नाम कट सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लोगों में यह डर भी रिकार्ड मतदान के पीछे एक प्रमुख कारण रहा।

अन्य महानगरों के लिए कोलकाता ने प्रस्तुत किया उदाहरण

दिलचस्प बात यह है कि कोलकाता जैसे व्यस्त महानगर में, जहां लोग अक्सर समय की कमी का हवाला देते हैं, वहां इस बार लोगों ने अपनी प्राथमिकताओं में मतदान को सबसे ऊपर रखा। यह बदलाव न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए सकारात्मक संकेत है, बल्कि अन्य महानगरों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत करता है। कुल मिलाकर, इस चुनाव में कोलकाता ने यह साबित कर दिया है कि अगर माहौल अनुकूल हो और मतदाता जागरूक हों, तो कम मतदान का टैग किसी भी बड़े शहर से हटाया जा सकता है। 88.50 प्रतिशत का यह आंकड़ा सिर्फ एक रिकार्ड नहीं, बल्कि लोकतंत्र में बढ़ते विश्वास और भागीदारी का प्रतीक बनकर उभरा है।

बाहर से आए आब्जर्वर भाजपा के इशारे पर कर रहे हैं काम : ममता

ब्यूरो कोलकाता : बंगाल में दूसरे व अंतिम चरण के मतदान के बीच मुख्यमंत्री और भवानीपुर विधानसभा सीट से टीएमसी उम्मीदवार ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि बाहर से बहुत सारे आब्जर्वर भाजपा जो कहती है, वे वही कर रहे हैं। हमारे सारे पोस्टर हटा दिए गए हैं। क्या चुनाव ऐसे होते हैं? वोट वोटर डालेंगे, पुलिस या सुरक्षा बल नहीं। हाल ही में कुछ नए लोग लाए गए हैं और वे जो चाहें कर रहे हैं। वे आतंकवाद कर रहे हैं। ममता ने कहा कि देखिए हमारे कार्यकर्ता को रात में कैसे पीटा गया। ज़रा इस ज़ुल्म को देखिए। किस तरह की गुंडागर्दी चल रही है? वोटिंग ऐसे नहीं होती। वोटिंग शांति से होती है। यह लोकतंत्र का त्योहार है। लेकिन उन्होंने इसे पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। इरादा बिल्कुल साफ़ है कि भाजपा ज़बरदस्ती चुनाव में धांधली करना चाहती है। हमारे कार्यकर्ता और लोग मरने को तैयार हैं, लेकिन वे जगह नहीं छोड़ेंगे।

"बात हिन्दुस्तान की" अखबार के सफलतापूर्वक 5 वर्ष पूर्ण कर छठे वर्ष में प्रवेश करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

प्रिय पाठकों, विज्ञापनदाताओं, शुभचिंतकों आप सभी के सहयोग और समर्थन से आप की अपनी अखबार देखते ही देखते सफलता पूर्वक 5 वर्ष पूरा कर छठे वर्ष में प्रवेश कर लिया है। आप सब जानते ही हैं बात हिंदुस्तान की अखबार सत्य, निष्पक्षता और जनसरोकारों की पत्रकारिता के माध्यम से समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आशा है कि आने वाले समय में भी जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाएगा और अपने पाठकों का विश्वास बनाए रखेगा। आपलोगों का प्यार, स्नेह और सहयोग यूहीं बना रहे। -बैघनाथ झा, संपादक

संक्षिप्त डायरी

सीता जन्मोत्सव पर रथ यात्रा का भव्य स्वागत, उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

पटना (एजेंसी) बेतिया के चनपटिया में माता सीता जन्मोत्सव पर सामाजिक समरसता रथ यात्रा का भव्य स्वागत हुआ. श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर माहौल को भक्तिमय बना दिया. यात्रा 325 गांवों से गुजरते हुए अरेराज के सोमेश्वर महादेव मंदिर में समाप्त होगी. माता सीता के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर निकली सामाजिक समरसता रथ यात्रा मंगलवार की शाम चनपटिया पहुंची. शहर में रथ के प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना. विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकताओं ने रथ का भव्य स्वागत किया, जिसके बाद नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई. श्रद्धालुओं ने की पुष्प वर्षा नगर पंचायत के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह भाजपा नेता राजकिशोर प्रसाद सहित अन्य गणमान्य लोगों ने रथ की अगवानी की. नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह चौक-चौराहों पर भक्तों ने माता जानकी के रथ पर पुष्प वर्षा की. पूरा वातावरण जय श्री रामऔर जय माता जानकी के नारों से भक्तिमय हो उठा. हनुमानगढ़ी से शुरू हुई है यात्रा संघ से जुड़े कृष्णा जायसवाल ने बताया कि यह यात्रा हनुमानगढ़ी से शुरू होकर 23 अप्रैल को मोतिहारी से शंखनाद के साथ रवाना हुई थी. यह रथ यात्रा कुल 38 प्रखंडों के 325 गांवों का भ्रमण कर रही है. इसका मुख्य उद्देश्य सामाजिक समरसता का संदेश देना है. आगामी 29 अप्रैल को अरेराज स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में इस यात्रा का विधिवत समापन होगा.

बकरी चोरी के आरोप में युवक को खंभे से बांधकर पीटा

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर में बकरी चोरी के आरोप में युवक को भीड़ ने खंभे से बांधकर पीटा है. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को बचाया. आरोपी नशे का आदी बताया जा रहा है. घायल युवक को एसकेएमसीएच में भर्ती कर इलाज कराया जा रहा है. अहियापुर थाना क्षेत्र के पुरानी मोतिहारी रोड स्थित पटेल स्वीट्स के पास बकरी चोरी के आरोप में एक युवक को भीड़ ने पकड़कर बेरहमी से पीट दिया. गुस्साए ग्रामीणों ने युवक को लोहे के खंभे से बांध दिया और उसकी पिटाई कर दी. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद युवक को भीड़ से छुड़ाया. दो दिनों से चल रहा था चोरी का सिलसिला बकरी चोरी के आरोप में ग्रामीणों ने युवक को पोल से बांधा स्थानीय लोगों का आरोप है कि इलाके में पिछले दो दिनों से लगातार बकरी चोरी की घटनाएं हो रही थीं. मंगलवार को जब युवक एक बार फिर बकरी चोरी कर भागने की फिराक में था, तभी ग्रामीणों ने उसे धर दबोचा. पकड़े जाने के बाद लोग आपा खो बैठे और कानून हाथ में लेते हुए युवक को बांधकर पीटना शुरू कर दिया. रिटायर्ड कृषि अधिकारी का बेटा निकला आरोपी पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. पकड़े गए युवक की पहचान ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मी चौक निवासी एक सेवानिव■

अवैध शुल्क वसूली पर छात्रों ने प्राचार्य को घेरा, आंदोलन की चेतावनी

पटना (एजेंसी) समस्तीपुर के आर.बी. कॉलेज में तृतीय सेमेस्टर नामांकन के दौरान अवैध शुल्क वसूली का आरोप लगा है. छात्रों ने राशि वापसी की मांग की है और चेतावनी दी है कि कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा. जानिए क्या है पूरा मामला? दलसिंहसराय के आर.बी. कॉलेज में तृतीय सेमेस्टर नामांकन के दौरान अवैध शुल्क वसूली का आरोप लगने के बाद मामला गरमा गया है. छात्रों ने बुधवार को प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर वसूली गई राशि वापस करने की मांग की है. एससी-एसटी छात्रों से शुल्क लेने का आरोप छात्र नेता कुंदन यादव के नेतृत्व में पहुंचे विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि स्नातक सत्र 2023-27 के तृतीय सेमेस्टर नामांकन में छात्राओं और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के छात्रों से भी शुल्क लिया गया. छात्रों का कहना है कि सरकारी नियमों के अनुसार इन श्रेणियों को नामांकन शुल्क में पूरी छूट है. दूसरे कॉलेज का दिया उदाहरण विद्यार्थियों ने कहा कि शाहपुर पटोरी के एएनडी कॉलेज में इसी तरह लिया गया शुल्क विरोध के बाद वापस किया जा चुका है. ऐसे में आर.बी. कॉलेज में भी छात्रों से ली गई राशि तत्काल लौटाई जानी चाहिए. छात्रों का आरोप है कि नियमों की अनदेखी कर मनमाने तरीके से वसूली की गई है.

पटना में खोले जा रहे सबसे ज्यादा म्यूल अकाउंट

पटना (एजेंसी) साइबर ठगी के खिलाफ बिहार पुलिस ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू कर दी है। मंगलवार को ह्यसाइबर प्रहार 3.0ह्न के तहत साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई ने 5036 म्यूल यानी फर्जी बैंक खातों की पहचान की है। इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठग ठगी की रकम को इधर-उधर ट्रांसफर करने में करते थे। यह कार्रवाई नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज 5078 शिकायतों के आधार पर की गई है। पुलिस का कहना है कि इन खातों के जरिए साइबर ठगी का बड़ा नेटवर्क चल रहा था, जिसे अब तोड़ने की तैयारी है। जांच में सामने आया है कि ये फर्जी खाते वर्ष 2025-26 में खोले गए थे। इस संबंध में 22 बैंक शाखाओं को चिह्नित किया गया है, जहां सबसे अधिक म्यूल खाते खुले हैं। इन शाखाओं में कार्यरत संदिग्ध बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी। इस अभियान का लक्ष्य सिर्फ खाताधारकों पर कार्रवाई नहीं, बल्कि पूरे साइबर ठगी नेटवर्क को खत्म करना है। इसमें बैंकिंग सिस्टम से जुड़े लोग, फर्जी सिम सप्लायर और संगठित गिरोह भी जांच के दायरे में हैं। इससे पहले चलाए गए 'साइबर प्रहार 2.0' अभियान में भी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली थी। उस दौरान राज्य भर में 1216 संदिग्ध खातों की पहचान की गई, 122 मामले दर्ज हुए और 234 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। लगभग 72 करोड़ रुपये की साइबर ठगी से जुड़े मामलों में भी कानूनी कार्रवाई की गई थी। पटना बना हॉटस्पॉट, कई जिले रडार पर म्यूल खातों के मामले में पटना सबसे आगे रहा है, जहां 272 संदिग्ध खाते पकड़े गए। इसके अलावा मोतिहारी, भागलपुर, बेतिया, पूर्णिया, वैशाली और मुजफ्फरपुर जैसे जिले भी इस सूची में शामिल हैं। इन जिलों में पुलिस विशेष निगरानी रख रही है। जांच के दौरान कुछ मामलों में बैंक कर्मियों की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। भोजपुर, कटिहार और पटना में तीन बैंक कर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। इन पर फर्जी खाते खुलवाने में सहयोग करने का आरोप है। इससे साफ है कि साइबर ठगी का नेटवर्क केवल बाहर से ही नहीं, बल्कि सिस्टम के अंदर से भी जुड़ा है। फर्जी सिम कार्ड विक्रेताओं पर भी कार्रवाई साइबर अपराध में फर्जी सिम कार्ड का भी बड़ा रोल सामने आया है। इसी को देखते हुए 167 संदिग्ध सिम कार्ड विक्रेताओं को चिन्हित किया गया है। इनके खिलाफ जांच और सत्यापन की प्रक्रिया जारी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इन सिम कार्डों का इस्तेमाल किन-किन मामलों में किया गया। बच्चों से जुड़े मामलों में भी सख्ती साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई ने बच्चों से जुड़े ऑनलाइन अपराधों पर भी कार्रवाई तेज कर दी है। ळस्त्र’ल्ली रिपोर्ट के आधार पर 20 संदिग्ध लोगों की पहचान की गई है। पटना और वैशाली में तीन मामले दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में संदिग्ध सामग्री मिली है, जिसकी जांच की जा रही है।

सम्राट सरकार की दूसरी कैबिनेट बैठक , कई अहम प्रस्तावों पर लगेगी मुहर

पटना (एजेंसी) सम्राट सरकार की दूसरी कैबिनेट की बैठक आज (बुधवार) होगी. ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि इस बैठक में कई जरूरी प्रस्तावों पर मुहर लग सकती है. इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव भी मौजूद रहेंगे. बिहार में नई सरकार के गठन के बाद आज दूसरी कैबिनेट की बैठक होगी. यह बैठक शाम करीब 5 बजे मुख्यमंत्री सचिवालय में होगी. सीएम सम्राट चौधरी इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे. इसमें दोनों उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव भी मौजूद रहेंगे. इस दौरान कई जरूरी प्रस्तावों पर मुहर लग सकती है. कैबिनेट की बैठक के बाद ब्रीफिंग 6 बजे शाम तक हो सकती है. 22 अप्रैल को हुई थी पहली बैठक सम्राट सरकार की पहली कैबिनेट की बैठक 22 अप्रैल को हुई थी. इस बैठक में कुल 22 अहम एजेंडों पर मुहर लगी थी. करीब एक घंटे चली इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए थे, जिनका सीधा असर विकास, रोजगार और सुरक्षा पर दिखेगा. सैटेलाइट टाउनशिप को लेकर मिली थी मंजूरी 22 अप्रैल को हुई बैठक में बिहार में 11 नए ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप को मंजूरी दी गई, जिसकी खूब चर्चा हो रही है. जिस भी जिले के जिस एरिया में सैटेलाइट टाउनशिप बनाए जायेंगे, वहां जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी गई है. इसके साथ ही इससे जमीन देने वालों को खास फायदा मिल सकता है. अन्य जरूरी प्रस्तावों पर भी लगी थी मुहर इसके अलावा 22 अप्रैल को हुई कैबिनेट की बैठक में अन्य जरूरी प्रस्तावों पर भी मुहर लगी थी. सरकार ने महिला सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया था. 1500 महिला पुलिसकर्मियों को स्कूटी दी जाएगी. इसके साथ ही 3200 पुलिसकर्मियों को मोटरसाइकिल भी दी जाएगी. इस योजना पर कुल 66.75 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. साथ ही सोनपुर स्थित बाबा हरिहरनाथ मंदिर क्षेत्र को अब काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा. इस परियोजना के लिए 680 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है. मुंगेर जिले के तारापुर में धार्मिक और पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए बड़ा फैसला हुआ था. इसके लिए कृषि विभाग की 15 एकड़ जमीन पर्यटन विभाग को मुफ्त में दी जाएगी, जिससे इलाके में पर्यटन को नई दिशा मिलेगी.

पश्चिमी चंपारण से निशांत की सद्भाव यात्रा

पटना (एजेंसी) जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान निशांत कुमार की सद्भाव यात्रा की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यात्रा की शुरूआत 3 मई से पश्चिमी चंपारण से होगी। इसमें पंचायत स्तर तक के कार्यकताओं से मुलाकात और सीधा संवाद किया जाएगा। निशांत ने खुद इस यात्रा का नाम सद्भाव यात्रा रखा है। सद्भाव का अर्थ ही सबको साथ लेकर चलने का भाव है और इसी भावना के साथ वे न्याय के साथ विकास की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। कुशवाहा ने कहा कि यह यात्रा बिहार के आने वाले 3-4 दशकों की राजनीति की दिशा

दो से ज्यादा बच्चे होने पर नगर परिषद अध्यक्ष को पद से हटाया

पटना (एजेंसी) बिहार के भभुआ नगर परिषद के अध्यक्ष को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने फैसला सुनाया. इसके बाद नगर परिषद के अध्यक्ष विकास कुमार तिवारी को उनके पद से हटा दिया गया. मामले में पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष जैनेंद्र कुमार आर्य ने आयोग में वाद दायर किया था. बिहार के कैमूर जिले में भभुआ नगर परिषद के अध्यक्ष को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने एक फैसला सुनाया, जिसकी खूब चर्चा हो रही है. फैसले के मुताबिक, भभुआ नगर परिषद अध्यक्ष के पद पर विराजमान विकास कुमार तिवारी उर्फ बबलू तिवारी को उनके पद से हटा दिया गया है. इस नियम के तहत लिया फैसला नगर पालिका अधिनियम 2007 के तहत 4 अप्रैल 2008 के बाद दो से अधिक बच्चा होने के कारण आयोग ने उन्हें हटाने का फैसला लिया. राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से इस मामले में आदेश पारित करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी को इस आदेश का अनुपालन कर चार हफ्ते में रिपोर्ट आयोग को भेजने का आदेश दिया गया है. आयोग में दायर वाद में क्या कहा गया? मामले में भभुआ नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष जैनेंद्र कुमार आर्य उर्फ जोनी की ओर से राज्य निर्वाचन आयोग में एक वाद दायर किया गया था. इसमें यह कहा गया था कि भभुआ नगर परिषद अध्यक्ष के पद पर विकास कुमार तिवारी को नगर पालिका के अधिनियम 2007 के तहत 4 अप्रैल 2008 के बाद दो से अधिक बच्चे हैं. उन्होंने नामांकन के वक्त दो से अधिक बच्चा होने का तथ्य छुपाया और गलत तरीके से नगर परिषद के अध्यक्ष पद पर विराजमान हो गए हैं.
जांच के बाद अध्यक्ष पद से हटाया इस पर राज्य निर्वाचन आयोग ने सुनवाई करते हुए जिला पदाधिकारी से रिपोर्ट मंगा और दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद सबूत का अवलोकन किया. इसके बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने पाया कि

विकास कुमार तिवारी उर्फ बबलू तिवारी को निश्चित रूप से सबूत के आधार पर नगर पालिका अधिनियम 2007 के तहत 4 अप्रैल 2008 के बाद दो से अधिक बच्चे हैं. इसलिए राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से तत्काल उन्हें नगर परिषद अध्यक्ष पद से पद मुक्त कर दिया गया है.

बोधगया में सुजाता पुल से नीचे गिरी जीप, 9 बच्चियां घायल

पटना (एजेंसी) बोधगया थाना इलाके में एक जीप अनियंत्रित होकर सुजाता पुल से नीचे जा गिरी. इस हादसे में 9 बच्चियां समेत संचालक गंभीर रूप से जख्मी हो गए. जबकि गाड़ी के ड्राइवर की मौत हो गई. बोधगया थाना इलाके में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. यहां जीप ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा और पुल से टकराने के बाद गाड़ी नीचे गिर गई. एक घायल बच्ची ने बताया कि वे सभी बच्चियां खरीदारी के लिए बोधगया मॉल गए थे. वही से वापस लौटने के दौरान यह हादसा हुआ. इस हादसे में 9 बच्चियां समेत एक व्यक्ति भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया है. साथ ही ड्राइवर की मौत हो गई है. स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया, जहां से उन्हें डाक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया. साथ ही घायल युवक का इलाज गयाजी के एक निजी अस्पताल में जारी है. घटना के बारे में लोगों ने क्या बताया? लोगों ने बताया कि गाड़ी अचानक चलते-चलते नियंत्रण खो बैठी और पुल से टकरा कर नीचे गिर गई. घटना के बाद हम लोगों ने सभी घायलों को बाहर निकालकर नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. जहां डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद कुछ बच्चियों की हालत को नाजुक देखते हुए उन्हें अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल गया रेफर कर दिया गया है. घायलों की हुई पहचान घायलों में सिमरन कुमारी (8), कंचन कुमारी (8), सुमित कुमार (9), अमृता कुमारी (7), मानसी (10), राज लक्ष्मी (9), दीपा कुमारी (10), रिशु कुमार (9) और अंजलि कुमारी शामिल है. एक व्यक्ति आनंद विक्रम भी घटना में घायल हुआ. इसके अलावा एक व्यक्ति की मौत हो गई, जिसकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है.

गुस्से में तेज प्रताप यादव, इन लोगों को दी चेतावनी

पटना (एजेंसी) जेजेडी सुप्रीमो तेज प्रताप यादव ने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए एक पोस्ट शेयर किया. इसमें उन्होंने कुछ लोगों के खिलाफ लीगल एक्शन लेने की चेतावनी दी है. साथ ही उन्होंने अपनी आईटी और लीगल टीम को एक्टिव भी कर दिया है. सोशल मीडिया पर झूठी खबरें, फेक आईडी और एडिटेड वीडियो के जरिए किसी भी नेता की छवि को प्रभावित करने की कोशिशें आजकल बढ़ती जा रही हैं. इसी बीच जनशक्ति जनता दल (JJD) के सुप्रीमो तेज प्रताप यादव एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी लोकप्रियता नहीं बल्कि उनके खिलाफ चल रही कथित डिजिटल साजिश है. इंस्टाग्राम पर शेयर किया वीडियो मामले का खुलासा खुद तेज प्रताप ने ळ श्’ङ्क के इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए वीडियो शेयर कर किया. इस वीडियो में तेज प्रताप यादव बता रहे हैं कि कैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कुछ असामाजिक तत्वों की ओर से फर्जी अकाउंट बनाकर, मिमिक्री वीडियो तैयार करके और भ्रामक जानकारी फैलाकर तेज प्रताप यादव की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही है. इन वीडियो और पोस्ट्स में उनकी छवि को गलत तरीके से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया, जिससे उनके समर्थकों में भी नाराजगी देखी जा रही है. एक्शन के मूड में तेज प्रताप इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए तेज प्रताप यादव ने अब चुप रहने के बजाय सख्त रुख अपनाया है. उन्होंने अपनी आईटी और लीगल टीम को तुरंत एक्टिव कर दिया है और ऐसे सभी फेक अकाउंट्स और आपत्तिजनक कंटेंट की पहचान करने का काम शुरू कर दिया गया है. सबूतों को किया जा रहा इकट्ठा बताया जा रहा है कि डिजिटल सबूतों को इकट्ठा किया जा रहा है ताकि कानूनी कार्रवाई मजबूत तरीके से की जा सके. साथ ही संबंधित लोगों को नोटिस भेजा जाएगा. लीगल नोटिस और सख्त कार्रवाई की तैयारी जानकारी के मुताबिक, फर्जी कंटेंट फैलाने वालों की पहचान कर उन्हें जल्द ही लीगल नोटिस भेजा जाएगा. आईटी टीम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ समन्वय कर ऐसे अकाउंट्स को हटाने की प्रक्रिया में जुटी है. जल्द ही सारे आईडी को खोज लिया जायेगा, जिसके बाद उन सब पर लीगल कार्रवाई होगी. तेज प्रताप यादव की चेतावनी तेज प्रताप यादव ने वीडियो में यह भी कहा कि झूठी खबरें और अफवाहें फैलाकर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं. लोगों को जल्द ही लीगल नोटिस भेजा जाएगा. तेज प्रताप यादव ने आम लोगों को भी संदेश दिया है कि बिना जांचे-परखे किसी भी वीडियो या पोस्ट को शेयर करना कानूनी परेशानी में डाल सकता है. अफवाह फैलाने या गलत जानकारी फैलाने करने पर कार्रवाई हो सकती है. जल्द हो सकता है खुलासा फिलहाल उनकी लीगल टीम पूरे मामले की जांच में जुटी है और साइबर सेल की मदद से उन सभी अकाउंट्स और वीडियो की ट्रैकिंग की जा रही है,

राजकीय सम्मान से होगी एड कृष्णभूषण कुमार की अंतिम विदाई

पटना (एजेंसी) सुल्तानगंज के कार्यपालक पदाधिकारी कृष्णभूषण कुमार की हत्या के बाद उनका शव आज मधुबनी पहुंचा, जहां शोक की लहर छा गई है. अधिकारियों ने श्रद्धांजलि दी. वहीं परिजनों ने सीबीआई से जांच की मांग की. सरकार ने राजकीय सम्मान और मुआवजे की घोषणा की है. सुल्तानगंज के कार्यपालक पदाधिकारी कृष्णभूषण कुमार की हत्या के बाद बुधवार को उनका पार्थिव शरीर मधुबनी स्थित पैतृक आवास गदियानी के लोहरसारी मोहल्ला पहुंचा. शव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई. अधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि दिवंगत अधिकारी को श्रद्धांजलि देने डीएम आनंद शर्मा, एसपी योगेंद्र कुमार, मेयर अरुण राय, नगर आयुक्त उमेश कुमार भारती, एसडीओ सदर चंदन कुमार झा, डीएसपी सदर अमित कुमार सहित कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि पहुंचे. बड़ी संख्या में लोग अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर जुटे. परिजनों ने उठाई बड़ी मांग मृतक के छोटे भाई प्रो. सूर्य भूषण कुमार ने हत्याकांड की सीबीआई जांच कराने की मांग की है. उन्होंने सुल्तानगंज नगर परिषद और मधुबनी के गदियानी मोहल्ला में कृष्णभूषण कुमार की प्रतिमा लगाने तथा उन्हें शहीद का दर्जा देने की भी मांग सरकार से की. राजकीय सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार नगर आयुक्त ने बताया कि सरकार ने दिवंगत कार्यपालक पदाधिकारी का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ कराने का निर्णय लिया है. परिवार को 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की गई है. आवास एवं नगर विकास विभाग के विशेष सचिव मनन कुमार भी अंतिम संस्कार में शामिल होने पटना से रवाना हो चुके हैं.

बिहार में बेटी की डोली उठने से पहले पिता की मौत, सड़क हादसे ने छीन ली खुशियां

पटना (एजेंसी) नालंदा जिले में एक घर में दर्दनाक घटना घटी. बेटी की शादी की तैयारियां पूरी हो गई थी. बारात नाचते-गाते दरवाजे पर पहुंच चुकी थी. लेकिन समधी मिलन से पहले ही लड़की के पिता की सड़क हादसे में मौत हो गई. नालंदा जिला के नूरसराय थाना इलाके के चरुईपर गांव में एक घटना घटी. घर में बेटी की शादी की तैयारियां हो गई थी. बारात नाचते-गाते दरवाजे पर पहुंची थी और घर में जयमाला की तैयारी चल रही थी. तभी घर के पास ही बिहटा-सरमेरा फोरलेन पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया. बारात के लोग नाच गाना छोड़ भागते हुए फोरलेन के पास गए तो देखा कि एक अधेड़ व्यक्ति रोड पर घायल पड़ा है. जब लड़की पक्ष के लोग गए तो देखा कि, लड़की के पिता आरजू पासवान (45 साल) रोड पर गंभीर रूप से घायल पड़े हैं. इसके बाद देखते ही देखते शादी की खुशियां पल भर में मातम में बदल गई. मृतक के भांजे ने क्या बताया? मृतक के भांजे सुदामा पासवान ने बताया कि उनके घर में छोटी बेटी की शादी की थीं. बारात नाचते-गाते दरवाजे पर पहुंच चुकी थी. घर में पारंपरिक रस्म समधी मिलन की तैयारी चल रही थी. इसी दौरान वे समधी से मिलने के लिए घर से निकले. जैसे ही वे पास के फोरलेन सड़क पर पहुंचे, तेज रफ्तार से आ रही एक स्कॉर्पियो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि वे सड़क पर ही गंभीर रूप से घायल होकर गिर शादी की रस्में भी हुई पूरी हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. इस खबर के मिलते ही शादी वाले घर में खुशियों का माहौल पल भर में मातम में बदल गया. परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे. किसी तरह भारी मन से शादी की रस्में पूरी कराई गई. घटना के बारे में नूरसराय थानाध्यक्ष ने क्या कहा? नूरसराय थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है. घटनास्थल से स्कॉर्पियो का टूटा हुआ नंबर प्लेट

बिहार : सैटेलाइट टाउनशिप के जरिए विकसित होगा प्रदेश, किसानों को मिलेगा लाभ

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार ने राज्य के 11 जिलों में सैटेलाइट टाउनशिप बनाए जाने की घोषणा की थी. अब खबर है कि इसके लिए पहले कोर एरिया को तैयार किया जाएगा. सैटेलाइट टाउनशिप डेवलप होने से किसानों को फायदा हो सकेगा सम्राट सरकार की कैबिनेट बैठक में बिहार में 11 जिलों में सैटेलाइट टाउनशिप बनाने की घोषणा की गई. अब इसे लेकर अपडेट है कि पहले कोर एरिया को तैयार किया जाएगा. ऐसा इसलिए क्योंकि कोर एरिया फिलहाल हरित पट्टी जैसी है. साथ ही यहां कोई स्ट्रक्चर भी नहीं है. इससे किसानों से जमीन लेने में आसानी होगी. इस पूरे इलाके को आवासीय, व्यावसायिक और सामुदायिक जोन में बांटकर प्लाटिंग की जायेगी. कितनी जगह पर क्या बनाया जाएगा? टाउनशिप में चौड़ी सड़कें, स्ट्रीट लाइट, ड्रेनेज और अन्य बुनियादी सुविधाएं बनायी जायेंगी. सार्वजनिक जमीन पर पार्क, खेल के मैदान और अन्य जरूरी संसाधन भी विकसित किए जायेंगे. नगर विकास विभाग की ओर से बताया गया कि कि कोर एरिया तैयार होने के बाद टाउनशिप का विस्तार स्पेशल एरिया तक किया जायेगा. जमीन के 3 प्रतिशत हिस्से को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों का घर बनाने के लिए सुरक्षित रखा जाएगा. 5 प्रतिशत हिस्सा हरियाली (पार्क) के लिए रखा जायेगा. 15 प्रतिशत हिस्सा प्लानिंग अथॉरिटी के पास रहेगा, ताकि भविष्य में अन्य जरूरतें पूरी हो सकें.55 प्रतिशत हिस्से में चौड़ी सड़कें और बुनियादी ढांचे का विकास होगा. 55 प्रतिशत विकसित जमीन मालिकों को लौटा दी जायेगी. पटना में राज्य का सबसे बड़ा स्पेशल एरिया जानकारी के मुताबिक, पटना की टाउनशिप का स्पेशल एरिया राज्य में सबसे बड़ा है, जिसमें 81 हजार से अधिक हेक्टेयर एरिया शामिल है. सोनपुर में कोर एरिया लगभग दो हजार एकड़ में फैला है, जो राज्य में सबसे बड़ा है. नई टाउनशिप को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है. इसके लिए सड़क, रेल और हवाई मार्ग से संपर्क आसान बनाया जायेगा. टाउनशिप की सीमा नेशनल हाइवे और रिंग रोड के आसपास रखी गई है. विभाग ने नया एयरपोर्ट बनाने की योजना भी बनाई गई है. सोनपुर में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट प्रस्तावित है, जबकि भागलपुर टाउनशिप के लिए सुल्तानगंज में एयरपोर्ट प्रस्तावित है. यह योजना राज्य में आधुनिक और व्यवस्थित शहरी विकास की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है. किसानों को कैसे होगा फायदा? अभी किसानों के पास जो बेतरतीब या बिखरे हुए प्लॉट हैं, उन्हें समेटकर एक नियमित आकार का ह्यडेवलप्ड प्लॉट दिया जायेगा. इससे उसकी उपयोगिता और कीमत बढ़ जायेगी, जो जमीन किसान को वापस मिलेगी. वह पूरी तरह विकसित होगी, यानी कि हर प्लॉट तक पक्की सड़क, बिजली की लाइन, पानी और नाली की सुविधा पहले से मौजूद होगी. आज जिस खेत की कीमत कम है, डेवलप होने के बाद टाउनशिप में वही प्लॉट सोने के भाव बिकेगा. इस तरह से सरकार किसानों के आर्थिक फायदे को ध्यान में रखकर तैयारी कर रही है.

संक्षिप्त डायरी

दो बाइकों की टक्कर में तीन युवकों की मौत, किसी ने नहीं पहना था हेलमेट

बलरामपुर (एजेंसी) घटना में सभी युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और सभी की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों को काफी देर तक उसके न पहुंचने पर जब फोन किया गया तो पुलिस ने दुर्घटना की जानकारी दी। श्रीदत्तगंज क्षेत्र के गालिबपुर चौराहा के पास मंगलवार की रात उतरौलाझबलरामपुर मुख्य मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई। युवकों ने हेलमेट नहीं लगाया था। इमिलिया रज्जाक गांव निवासी वंशराज ने बताया कि मेरा पोता आकाश वर्मा (17) अपनी मौसी के घर धौरहरी गांव सामान देने जा रहा था। इसी दौरान गालिबपुर चौराहा के पास बलरामपुर की तरफ से आ रहे बाइक सवार आशीष सोनी (22) निवासी मोहल्ला बलुहा थाना कोतवाली नगर तथा सूरज कश्यप (20) निवासी मोहल्ला बड़ा पुल चौराहा खलवा नगर कोतवाली की टक्कर हो गई। घटना में सभी युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और सभी की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों को काफी देर तक उसके न पहुंचने पर जब फोन किया गया तो पुलिस ने दुर्घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे तो कोहराम मच गया। मृतक की मां प्रेमा बदहवास हो गईं, जबकि पिता बृजलाल मुंबई में होने के कारण घटना की खबर सुनकर घर के लिए रवाना हो गए। बताया गया कि आकाश पांच भाइयों में दूसरे नंबर पर था और कुछ दिनों बाद मुंबई जाने की तैयारी में था। प्रभारी निरीक्षक अविरल शुक्ला ने बताया कि दोनों बाइक सवार हेलमेट नहीं लगाए थे और तेज रफ्तार के कारण हादसा हुआ है।

घटना स्थल पर मिली आरोपी की वस्तु से उसे दोषी साबित नहीं किया जा सकता

प्रयागराज (एजेंसी) इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि घटना स्थल पर मिली आरोपी की वस्तु से उसे दोषी साबित नहीं किया जा सकता। इसी के साथ ट्रायल कोर्ट से आजीवन कारावास की सजा पाए दोषी को बरी कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि घटना स्थल पर मिली आरोपी की वस्तु से उसे दोषी साबित नहीं किया जा सकता। इसी के साथ ट्रायल कोर्ट से आजीवन कारावास की सजा पाए दोषी को बरी कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने राम भवन हरिजन की आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए दिया। आरोपी राम भवन के खिलाफ प्रयागराज के थाना लालापुर में हत्या और सबूत मिटाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। 27 जुलाई 2021 को पांच साल की बच्ची घर के पास तालाब के किनारे खेलने गई थी और लापता हो गई। बाद में उसका शव बरामद हुआ। अभियोजन का आरोप था कि आरोपी राम भवन हरिजन ने बच्ची की हत्या कर शव को नहर में फेंक दिया। बच्ची जिस शॉल में लिपटी हुई थी, वह आरोपी की थी। ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने दलील दी कि मामले में कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं है। पूरा केस परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित है। तथाकथित शॉल की पहचान भी संदिग्ध है। पंचनामा और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसका उल्लेख नहीं है। ऐसे में आरोपी को झूठा फंसाया गया है। वहीं, शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपी की पहचान उसकी शॉल से हुई और गवाहों ने अभियोजन के पक्ष का समर्थन किया है। आरोपी और वादी के बीच पूर्व में विवाद भी था जिससे हत्या का कारण स्पष्ट होता है। इसलिए ट्रायल कोर्ट का निर्णय सही है। हाईकोर्ट ने कहा कि मामले में साक्ष्यों की कड़ी अधूरी है। शॉल की बरामदगी व पहचान पर गंभीर संदेह है। वस्तु की पहचान केवल सहायक साक्ष्य होती है, जिसके आधार पर दोष सिद्ध नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का फैसला निरस्त कर दिया। आदेश दिया कि यदि आरोपी किसी अन्य मामले में वांछित न हो तो उसे तत्काल रिहा किया जाए।

फोन पर नहीं आई एंबुलेंस, लोकेशन ही पूछते रहे कर्मचारी, तड़प-तड़प कर मरीं मां-बेटियां

कानपुर (एजेंसी) नजफगढ़ में जहर खाने वाली मां-बेटियों को एक घंटे तक एंबुलेंस नहीं मिली। निजी वाहन से हैलट पहुंचने में हुई ढाई घंटे की देरी जानलेवा साबित हुई। परिजनों ने डीसीपी से शिकायत की। चौकी इंचार्ज ने निजी खर्च और वाहन से बच्चियों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। इसे स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही कहें या फिर बदइंतजामी। ग्रामीण क्षेत्र में 10 मिनट में पहुंचने का दंभ भरने वाली सरकारी एंबुलेंस का दावा महाराजपुर में एक बार फिर झूठा साबित हुआ। नजफगढ़ गांव में जहरीला पदार्थ खाने से अचेत हुईं चांदनी और उसकी बेटी पायल और ब्यूटी को अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रामीणों के बार-बार फोन करने पर भी एंबुलेंस नहीं पहुंची। उन्हें निजी वाहन से स्वास्थ्य केंद्र से हैलट तक पहुंचाने में करीब ढाई घंटे का समय बर्बाद हो गया। तब तक तीनों की सांसे थम गईं। चांदनी के भाइयों का आरोप था कि अगर समय से अस्पताल पहुंच जाते, तो शायद तीनों जिंदा होते। इससे पहले भी 23 अप्रैल को छतमरा चौराहे पर गश खाकर गिरे मजदूर को 45 मिनट तक एंबुलेंस नहीं मिली थी। इससे उसकी जान चली गई थी। हालत बिगड़ने पर कई बार फोन किया गया नजफगढ़ निवासी चांदनी और उसकी बेटियों पायल और ब्यूटी की मौत हो गई। पड़ोस में रहने वाले भाई धर्मेंद्र, जितेंद्र और प्रताप का कहना था कि उन लोगों को करीब 7.30 बजे जानकारी हुई, तो एंबुलेंस बुलाने के लिए 108 डायल किया। आरोप है कि शुरू में फोन उठने पर लोकेशन आदि पूछा गया, लेकिन गाड़ी नहीं आई। इसके बाद बहन की हालत बिगड़ने पर कई बार फोन किया गया। लेकिन एक घंटे बाद तक गाड़ी नहीं आ सकी। इस पर उन लोगों ने गांव के एक युवक की कार से आठ किमी दूर सरसौल स्थित सीएचसी पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने नाजुक हालत देखते हुए हैलट रेफर कर दिया। भाइयों का आरोप है कि बहन और भांजियों को जल्दी अस्पताल पहुंचाने के लिए डॉक्टर से मिनन्त की। आरोप है कि इस पर डॉक्टर ने सीएचसी में खड़ी एंबुलेंस के चालक को फोन किया, लेकिन कोई नही आया।

समय से अगर अस्पताल पहुंच जाते, तो जान बचाई जा सकती थी इस तरह वह लोग निजी वाहन से करीब 9.45 बजे तीनों को हैलट लेकर पहुंचे वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। भाइयों का आरोप है कि हैलट में डॉक्टरों का कहना था कि वह लोग समय से अगर अस्पताल पहुंच जाते तो जान बचाई जा सकती थी। आरोप है कि घर से लेकर हैलट तक के बीच पहुंचने में करीब इलाज मिलने में ढाई घंटे का समय लग गया। अगर एंबुलेंस समय से आ जाती, तो तीनों की जान बचाई जा सकती थी।

गंगा एक्सप्रेसवे: उत्तर प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का नया आधार

लखनऊ (एजेंसी) गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक विकास की नई रफ्तार देगा। इससे यात्रा समय घटेगा, व्यापार और निवेश बढ़ेगा, उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और लाखों रोजगार के अवसर बनेंगे। यह परियोजना उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर वन ट्रिलियन डॉलर लक्ष्य की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। सुबह का समय हैङ्क मेरठ के बिजौली गांव से एक गाड़ी हाई-स्पीड एक्सप्रेसवे पर उतरती है। 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हुई यह गाड़ी खेतों, कस्बों और कई शहरों को पार करती है। रास्ते में आधुनिक टोल प्लाजा, फ्यूल स्टेशन, वे-साइड सुविधाएं और औद्योगिक नोड्स दिखाई देते हैं। शाम होते-होते यही गाड़ी प्रयागराज पहुंच जाती है, वह सफर जो कभी 10-12 घंटे का समय लेता था, अब 6-7 घंटे में पूरा हो जाता है। यह सिर्फ एक सड़क नहीं यह उत्तर प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर दौड़ता हुआ इंफ्रास्ट्रक्चर है। नवनिर्मित गंगा एक्सप्रेसवे पर सिर्फ गाड़ियां ही नहीं फरार्टा भरेंगी, उद्योग, निवेश, सपने और अवसर भी दौड़ेंगे। मेरठ से प्रयागराज तक विस्तारित यह सड़क वास्तव में एक नई आर्थिक धारा है, जो उत्तर प्रदेश को विकास की उस गति तक ले जाने जा रही है, जहां वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का लक्ष्य हकीकत बनता दिखाई देगा। पूर्व और पश्चिम यूपी को जोड़ता विकास कॉरिडोर गंगा एक्सप्रेसवे 594 किमी लंबा ग्रीनफील्ड, एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे है, जो मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों को एक सशक्त आर्थिक धुरी में पिरोता है। 6 लेन (भविष्य में 8 लेन तक विस्तार योग्य) वाला यह मेगा प्रोजेक्ट लगभग 36-37 हजार करोड़ रुपये की लागत से पीपीपी मॉडल पर विकसित किया गया है। यह एक्सप्रेसवे पश्चिमी उत्तर प्रदेश की विकसित औद्योगिक बेल्ट को पूर्वांचल के कृषि और श्रम-आधारित क्षेत्रों से सीधे जोड़ते हुए उत्पादन, आपूर्ति और बाजार के बीच दूरी को कम करता है। परिणामस्वरूप, यह केवल यातायात का मार्ग नहीं, बल्कि निवेश, उद्योग और रोजगार को गति देने वाला वह कनेक्टिविटी इंजन है, जो प्रदेश की आर्थिक ताकत को नई ऊंचाई देने की क्षमता रखता है। यात्रा से व्यापार तक समय की बचत, लागत में कमी गंगा एक्सप्रेसवे के संचालन में आने के साथ मेरठ से प्रयागराज की यात्रा अब महज 6-7 घंटे में पूरी हो सकेगी, जबकि पहले यही दूरी तय करने में 10-12 घंटे लगते थे। यह समय की बचत सीधे तौर पर लॉजिस्टिक्स लागत में कमी का आधार बनेगी। तेज और निर्बाध आवागमन से सप्लाई चेन अधिक प्रभावी होगी, जिससे कृषि उत्पादों को खेत से बाजार तक पहुंचने में कम समय लगेगा और उनकी गुणवत्ता व मूल्य दोनों सुरक्षित रहेंगे। साथ ही, ई-कॉमर्स, वेयरहाउसिंग और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को नई गति मिलेगी। दरअसल, समय की यह बचत ही आर्थिक दक्षता में बदलती है और यही दक्षता किसी भी राज्य की विकास गति को कई गुना बढ़ा देती है। 12 जिलों में ह्यइकोनॉमिक रेवोल्यूशनह्ल गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज जैसे 12 जिलों को जोड़ते हुए एक व्यापक आर्थिक परिवर्तन की नींव रखता है। इन जिलों की भौगोलिक और आर्थिक विशेषताओं के अनुरूप विकास की नई संभावनाएं उभर रही हैं। मेरठ-हापुड़ में मैन्युफैक्चरिंग और स्पोर्ट्स गुड्स, बुलंदशहर-अमरोहा में फूड प्रोसेसिंग और डेयरी, शाहजहांपुर-हरदोई में एग्री-बेस्ड इंडस्ट्री, उन्नाव-रायबरेली में टेक्सटाइल और एमएसएमई, जबकि प्रयागराज लॉजिस्टिक्स और टूरिज्म हब के रूप में विकसित हो सकता है। इस तरह, यह एक्सप्रेसवे अलग-अलग आर्थिक क्षमताओं वाले इन जिलों को एकीकृत करते हुए उन्हें एक सिंगल, इंटरकनेक्टेड इकोनॉमिक नेटवर्क में बदल देता है, जहां उत्पादन, प्रसंस्करण और वितरण एक ही विकास धारा में प्रवाहित होते हैं।

गोरखपुर और प्रयागराज में बढ़ सकता है प्रदूषण, बरेली-रायबरेली सबसे बेहतर

गोरखपुर (एजेंसी) गोरखपुर का एक्यूआई लगातार पुअर श्रेणी में रहा और 2019 में 249.31 तक पहुंच गया। पीएम-10 के मामले में गोरखपुर की स्थिति सबसे चिंताजनक रही। वर्ष 2019 में यहां पीएम-10 का स्तर 286.45 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर दर्ज किया गया। पूवार्नुमान के अनुसार, वर्ष 2026 के अंत तक तक यह 50 प्रतिशत बढ़कर 243.55 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर तक पहुंच सकता है। प्रदेश के 17 नॉन-अटेनमेंट शहरों की हवा की गुणवत्ता पर किए गए शोध में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। शोध में पाया गया है कि गोरखपुर और प्रयागराज में इस वर्ष पीएम-10 प्रदूषण बढ़ सकता है। शोध में बरेली और रायबरेली सबसे बेहतर साबित हुए हैं। यहां प्रदूषण में कमी की संभावना जताई गई है। यह शोध अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के कम्युनिटी मेडिसिन एवं फैमिली मेडिसिन विभाग के डॉ. यू. वेंकटेश ने किया है। अध्ययन में वर्ष 2016 से 2023 तक उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के मासिक एक्यूआई और पीएम-10 आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। डॉ.यू. वेंकटेश ने फेसबुक प्रॉफेट टाइम सीरीज मॉडल की मदद से 2025-26 तक की स्थिति का पूवार्नुमान लगाया। शोध के अनुसार, झांसी का एक्यूआई वर्ष 2023 में सबसे कम 72.73 दर्ज किया गया, जो मॉडरेट श्रेणी में है। वहीं, गोरखपुर का एक्यूआई लगातार पुअर श्रेणी में रहा और 2019 में 249.31 तक पहुंच गया। पीएम-10 के मामले में गोरखपुर की स्थिति सबसे चिंताजनक रही। वर्ष 2019 में यहां पीएम-10 का स्तर 286.45 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर दर्ज किया गया। पूवार्नुमान के अनुसार, वर्ष 2026 के अंत तक तक यह 50 प्रतिशत बढ़कर 243.55 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर तक पहुंच सकता है। ग्राफ में यह देखा गया है कि 2017 से 2023 तक प्रदूषण की मात्रा बढ़ी है।

डॉक्टरों को क्लीन चिट, कर्मचारी पर आंच; 13 पेज की रिपोर्ट में ये बात

वाराणसी (एजेंसी) आईएमएस-बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में गलत सर्जरी से महिला राधिका देवी की मौत मामले में जांच रिपोर्ट में डॉक्टरों को क्लीन चिट दी गई है। रिपोर्ट में वार्ड से ओटी तक मरीज ले जाने वाले कर्मचारी को दोषी ठहराया गया। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाया, अब आगे की कार्रवाई पर सबकी नजर है। हैरानी की बात तो यह है कि स्पाइन कार्ड सर्जरी से ग्रसित न्यूरो सर्जरी वार्ड में भर्ती राधिका देवी की आर्थो विभाग के जिन डॉक्टरों ने गलत सर्जरी कर जांघ में चीरा लगाया, रिपोर्ट में डॉक्टरों की लापरवाही का कोई जिक्र ही नहीं है। यानी डॉक्टरों को क्लीन चिट दे दिया गया है। इसमें महिला मरीज को वार्ड से ओटी तक लेकर लेकर जाने वाले कर्मचारियों को दोषी बताया गया है। ट्रॉमा सेंटर में बलिया निवासी राधिका देवी(71) को 24 फरवरी 2026 को स्पाइन कार्ड ट्यूमर की समस्या पर न्यूरो सर्जरी के डॉ. अनुराग साहू के अंडर में भर्ती किया गया। महिला न्यूरोसर्जरी के बेड नंबर 29 पर भर्ती थी। 7 मार्च को इसी महिला को ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया, जहां न्यूरो सर्जरी की टीम की वजह आर्थो विभाग के डॉक्टरों ने उसकी जांघ में चीरा लगाया। जब जांघ में चीरा लगाने के बाद अंदर की हड्डी सही दिखी तो डॉक्टरों की टीम हैरान हो गई। पता चला कि वास्तव में जिस महिला के जांघ में चोट लगी थी, वह राधिका देवी नहीं है। इसके बाद महिला को ओटी से बाहर किया गया। इस गलत सर्जरी के 10 दिन बाद 18 मार्च को फिर न्यूरो सर्जरी विभाग की टीम ने सर्जरी (सही सर्जरी) की। 12 दिन में दो बार सर्जरी होने के बाद 27 मार्च को उनकी मौत हो गई। महिला के पोते मृत्युंजय पाल ने इसके बाद आईएमएस निदेशक और कुलपति को शिकायत कर जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। निदेशक की ओर से आर्थो विभाग के प्रो. अजीत सिंह की अध्यक्षता में जो कमेटी गठित की गई थी, उसने अपनी जांच कर रिपोर्ट मंगलवार को निदेशक को बंद लिफाफे में सौंपी। इसमें जांच टीम ने उस कर्मचारी की गलती बताई है, जो राधिका देवी को 7 मार्च को वार्ड से ओटी तक लेकर गया। सवाल यह है कि अगर कोई कर्मचारी वार्ड से किसी गलत मरीज को ओटी में लेकर गया तो एनीस्थीसिया देते समय, जांघ में चीरा लगाते समय जो डॉक्टरों की टीम वहां थी, उसने यह नहीं देखा कि यह राधिका देवी सही मरीज है कि नहीं। अब सभी की नजर इस रिपोर्ट पर अगली कार्रवाई पर टिकी है। तीन बार मीटिंग, आर्थो, टीम को नोटिस, तैयार की 13 पेज की रिपोर्ट गलत सर्जरी के बाद मृत महिला राधिका देवी के पोते मृत्युंजय पाल ने निदेशक, कुलपति से जो शिकायत की थी, उस पर पहले निदेशक ने आर्थो विभाग के प्रो. अमित रस्तोगी की अध्यक्षता में कमेटी गठित की। जैसे ही निदेशक को पता चला कि प्रो.रस्तोगी के निर्देशन वाली टीम ने ही सर्जरी की थी, उन्हीं पर आरोप है तो उन्होंने तुरंत दूसरी जांच कमेटी कर दी। निदेशक के निर्देश पर प्रो. अजीत सिंह की अध्यक्षता वाली जो कमेटी बनी थी, उसने तीन बार मीटिंग(17 अप्रैल, 21 अप्रैल और 24 अप्रैल) की। इसके बाद जो 13 पेज की रिपोर्ट तैयार की गई हैं, उसमें आर्थो, न्यूरो सर्जरी की टीम को नोटिस देने के साथ ही ऑपरेशन थिएटर में डयूटी वाले स्टाफ को भी नोटिस देकर जवाब मांगने का जिक्र है। अब सवाल है कि जब रिपोर्ट में डॉक्टरों की गलती नहीं मानी गई हैं तो सभी को नोटिस क्यों मांगा गया है। प्रो. अजीत सिंह वाली जांच कमेटी की रिपोर्ट मुझे बंद लिफाफे में मिली।

घटना स्थल पर मिली आरोपी की वस्तु से उसे दोषी साबित नहीं किया जा सकता

प्रयागराज (एजेंसी) इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि घटना स्थल पर मिली आरोपी की वस्तु से उसे दोषी साबित नहीं किया जा सकता। इसी के साथ ट्रायल कोर्ट से आजीवन कारावास की सजा पाए दोषी को बरी कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि घटना स्थल पर मिली आरोपी की वस्तु से उसे दोषी साबित नहीं किया जा सकता। इसी के साथ ट्रायल कोर्ट से आजीवन कारावास की सजा पाए दोषी को बरी कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने राम भवन हरिजन की आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए दिया। आरोपी राम भवन हरिजन के खिलाफ प्रयागराज के थाना लालापुर में हत्या और सबूत मिटाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। 27 जुलाई 2021 को पांच साल की बच्ची घर के पास तालाब के किनारे खेलने गई थी और लापता हो गई। बाद में उसका शव बरामद हुआ। अभियोजन का आरोप था कि आरोपी राम भवन हरिजन ने बच्ची की हत्या कर शव को नहर में फेंक दिया। बच्ची जिस शॉल में लिपटी हुई थी, वह आरोपी की थी। ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने दलील दी कि मामले में कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं है। पूरा केस परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित है। तथाकथित शॉल की पहचान भी संदिग्ध है। पंचनामा और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसका उल्लेख नहीं है। ऐसे में आरोपी को झूठा फंसाया गया है। वहीं, शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपी की पहचान उसकी शॉल से हुई और गवाहों ने अभियोजन के पक्ष का समर्थन किया है। आरोपी और वादी के बीच पूर्व में विवाद भी था जिससे हत्या का कारण स्पष्ट होता है। इसलिए ट्रायल कोर्ट का निर्णय सही है।

छतों पर धूप से पक रही कुल मांग की 20 फीसदी बिजली, बिल की चिंता करने वाले अब खुद कर रहे उत्पादन

लखनऊ (एजेंसी) यूपीनेडा के मुताबिक लखनऊ में उपभोक्ताओं के घरों पर लगे सोलर संयंत्रों से वर्तमान में 328.276 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। यह तब है जब जिले की कुल बिजली मांग करीब 1500 मेगावाट है। कभी बिजली बिल की चिंता से घिरे रहने वाले बहुत से लोग अब घर पर बिजली पैदा कर रहे हैं। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजी) के तहत छतों पर लगे सोलर पैनल अब ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहे हैं। जिले में प्रतिदिन करीब 1500 मेगावाट बिजली की मांग रहती है। मांग की तुलना में करीब 20 फीसदी बिजली का उत्पादन 92,049 लोगों के घरों की छतों पर लगे सोलर पैनलों से किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के मुताबिक लखनऊ में उपभोक्ताओं के घरों पर लगे सोलर संयंत्रों से वर्तमान में 328.276 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। यह तब है जब जिले की कुल बिजली मांग करीब 1500 मेगावाट है। यानी अब जरूरत का करीब 20 फीसदी हिस्सा घरों की छतों से ही निकालने लगा है। तीन वर्ष में तेजी से बढ़ा दायरा : सोलर पैनल का लगाकर बिजली की खपत कम करने का सिलसिला तेजी के साथ बढ़ रहा है। वर्ष 2024-25 में 8,346 लोगों ने अपने घरों पर सोलर पैनल लगाए। 2025-26 में 24,461 और 2026-27 में 81,242 लोगों ने सोलर पैनल लगवाए। वर्ष 2027-28 के लिए जिले का कुल लक्ष्य 99,082 निर्धारित किया गया है लेकिन उसके मुकाबले अब तक 92,049 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। सब्सिडी, ईएमआई और फायदा पीएमएसजी योजना में एक किलोवाट का संयंत्र स्थापित करने पर 45,000 रुपये, दो किलोवाट पर 90,000 रुपये और 3-5 किलोवाट पर 1.08 लाख रुपये तक अनुदान है। तीन किलोवाट प्लांट की स्थापना के लिए बैंक से सात प्रतिशत ब्याज पर लोन भी मिलता है जिसकी ईएमआई करीब 1800 रुपये होती है। इसका फायदा 25 साल तक होता है। यूपीनेडा के परियोजना अधिकारी टीकाराम का कहना है कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत उपभोक्ता को करीब 300 यूनिट बिजली मुफ्त मिलती है। 6 जिले में 92,049 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। अपने घरों पर सोलर पैनल लगाने के लिए करीब 1.29 लाख लोग पोर्टल पर आवेदन कर चुके हैं। उपभोक्ता काफी खुश हैं, क्योंकि इससे उनका बिजली का बिल कम आ रहा है। अभी इन्हें ग्रिड से नहीं जोड़ा गया है लेकिन भविष्य में ग्रिड से जोड़ने की योजना है। इससे भी बिजली की निर्भरता कम हो रही है। प्रति किलोवाट लागत 60 हजार रुपये पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत लगने वाले सोलर प्लांट की अनुमानित लागत करीब 60 हजार रुपये प्रति किलोवाट आती है। सोलर प्लांट कमीशनिंग के बाद सब्सिडी डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते में जमा कर दी जाती है।

बदायूं से अब ढाई घंटे में लखनऊ, पांच घंटे में पहुंच सकेंगे प्रयागराज, विकास को मिली रफ्तार

बदायूं (एजेंसी) गंगा एक्सप्रेसवे का करीब 92 किलोमीटर लंबा हिस्सा बदायूं जिले से गुजरा है। गंगा एक्सप्रेसवे पर आवागमन शुरू होने से अब बदायूं से लखनऊ, प्रयागराज और मेरठ जाना आसान हो गया है। एक्सप्रेसवे से लखनऊ की दूरी महज ढाई घंटे में तय कर सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित और महत्वाकांक्षी गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण बुधवार को हरदोई से किया। इस ऐतिहासिक परियोजना के शुरू होते ही बदायूं जनपद, प्रदेश के विकास मानचित्र पर नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ता नजर आएगा। इससे लखनऊ, मेरठ व प्रयागराज का सफर आसान हो जाएगा। ढाई घंटे में लखनऊ तो चार से पांच घंटे में प्रयागराज का सफर तय हो सकेगा। एक्सप्रेसवे पर 125 किलोमीटर की अधिकतम रफ्तार पर वाहन फरार्टा भर सकेंगे। करीब 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे मेरठ जनपद के बिजौली गांव से प्रारंभ होकर प्रयागराज के जुडापुर दादू तक जाएगा और प्रदेश के 12 जिलों को आपस में जोड़ेगा। इनमें बदायूं एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में उभरकर सामने आया है। जनपद बदायूं में एक्सप्रेसवे की लंबाई लगभग 92 किलोमीटर निर्धारित की गई है, जो संभल की दिशा से बिसौली तहसील के ग्राम व्योर कासिमाबाद से प्रवेश कर दातागंज तहसील के ग्राम खानपुर पंचशाला तक पहुंचेगा। यह मार्ग जिले को प्रदेश के प्रमुख आर्थिक और प्रशासनिक केंद्रों से सीधे जोड़ेगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए बदायूं जनपद में लगभग 1200 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई है। इससे 85 गांव व 195 मजरे सीधे जुड़े हैं। एक्सप्रेसवे के दायरे में जिले की चार प्रमुख तहसीलें बदायूं, विसौली, बिल्सी और दातागंज आ रही हैं। परियोजना के अंतर्गत बदायूं में रामगंगा नदी पर 720 मीटर लंबा विशाल सेतु तैयार किया गया है। यह पुल न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि क्षेत्रीय आवागमन को सुगम बनाने में भी मील का पत्थर साबित होगा। 3 इंटरचेंज और 4 फ्लाईओवर से सशक्त होगी कनेक्टिविटी जनपद बदायूं में एक्सप्रेसवे के अंतर्गत 4 फ्लाईओवर और 3 प्रमुख इंटरचेंज बनाए गए हैं, जो जिले की यातायात व्यवस्था को पूरी तरह बदल देंगे। ग्राम वनकोटा (बिसौली रोड),इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी औद्योगिक गलियारा से बन रहे निवेश और रोजगार के नए द्वार घटपुरी इंटरचेंज के पास 108 हेक्टेयर भूमि पर औद्योगिक गलियारा विकसित किया जा रहा है, जिसमें घटपुरी, औरंगाबाद माफी और कुतुबपुरथरा गांव शामिल हैं। वहीं दातागंज तहसील के डहरपुर कलां इंटरचेंज के पास लगभग 300 हेक्टेयर में दूसरा औद्योगिक गलियारा प्रस्तावित है, जिसके लिए बिहारीपुर, छछऊ, डहरपुर कलां, कैल्हाई और डोलापुर गांवों की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया जारी है। यह उतार-चढ़ाव हमारे प्रयासों से स्वीकृत हुआ, जो मूल योजना में नहीं था। इससे किसानों को मंडियों तक सीधी पहुंच मिलेगी और औद्योगिक गलियारे से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे से जिले को एक नई गति मिलेगी। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बदायूं जिले के घटपुरी में जनसभा के माध्यम से किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पेंटागन का बड़ा कबूलनामा: चीन-रूस की मिसाइलों के सामने अमेरिकी रक्षा सिस्टम बेदम, गोल्डन डोम बनेगा गेम चेंजर?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक अहम खुलासा सामने आया है। शीर्ष पेंटागन अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि मौजूदा अमेरिकी रक्षा प्रणाली केवल छोटे स्तर के हमलों को ही रोक सकती है और हाइपरसोनिक या क्रूज मिसाइल जैसे आधुनिक खतरों के खिलाफ लगभग बेअसर है। अमेरिकी रक्षा और सैन्य अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2027 के बजट पर चर्चा के दौरान सीनेट में यह बात रखी। उन्होंने चेतावनी दी कि चीन, रूस, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देश तेजी से ऐसे हथियार विकसित कर रहे हैं, जो पारंपरिक रक्षा प्रणाली को आसानी से चकमा दे सकते हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मार्क जे बर्कविट्ज ने साफ कहा कि मौजूदा सिस्टम को इस तरह के आधुनिक खतरों के लिए डिजाइन ही नहीं किया गया था।

पाकिस्तान में ऊर्जा संकट: सिर्फ 5-7 दिनों का कच्चा तेल शेष, पेट्रोलियम मंत्री परवेज मलिक ने कबूली लाचारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान इस समय अपने इतिहास के सबसे भीषण ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने चेताया है कि देश के पास अब केवल पांच से सात दिनों का कच्चा तेल शेष बचा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और लाल सागर में उपजे संकट ने पाकिस्तान की आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह तोड़ दिया है। यदि अगले कुछ दिनों में तेल की नई खेप नहीं पहुंचती है, तो देश में परिवहन और उद्योग पूरी तरह ठप हो सकते हैं। मंत्री मलिक ने भारत की रणनीतिक क्षमता का ज़िक्र करते हुए अपनी बेबसी जाहिर की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास कोई ठोस ऑयल रिजर्व नहीं है। उन्होंने तुलना करते हुए कहा कि हम भारत की तरह सक्षम नहीं हैं। भारत एक सिग्नेचर करके अपने रिजर्व से 60-70 दिनों का तेल रिलीज कर सकता है। लेकिन पाकिस्तान की स्थिति ऐसी है कि यहां बाहरी झटकों को सहने की रत्ती भर भी क्षमता नहीं बची है। पेट्रोलियम मंत्री ने यह भी कहा कि देश के पास एक दिन का भी अतिरिक्त पेट्रोल भंडार नहीं है। उन्होंने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को इस संकट की मुख्य वजह बताया। उनके अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी यह युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी अनिश्चितता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को तत्काल एक प्रभावी ऊर्जा सुरक्षा योजना की आवश्यकता है, अन्यथा देश पूरी तरह ठप हो सकता है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों ने पाकिस्तान की मुश्किलों को दोगुना कर दिया है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने साफ कर दिया है कि वे रूसी और ईरानी तेल पर दी गई छूट की अवधि को आगे नहीं बढ़ाएंगे। बेसेंट ने कहा कि ईरान के लिए अब कोई रियायत नहीं होगी। अमेरिका ने प्रभावी रूप से नाकाबंदी कर रखी है, जिससे ईरानी तेल की आपूर्ति रुक गई है। रूस से तेल खरीद पर मिलने वाली छूट भी खत्म होने वाली है। इन वैश्विक प्रतिबंधों और घरेलू भंडारण की कमी ने पाकिस्तान को दोतरफा संकट में फंसा दिया है। कच्चे तेल की कमी से रिफाइनरियों के बंद होने का खतरा है। यदि जल्द ही आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो पाकिस्तान में परिवहन और बिजली व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो सकती है। सरकार अब भंडारण क्षमता को मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रही है, लेकिन सीमित संसाधनों के कारण यह राह बेहद कठिन नजर आ रही है।

मैक्सिको में ड्रग कार्टेल को बड़ा झटका: गिरफ्तार हुआ गिरोह का सबसे बड़ा नेता, अमेरिका ने रखा था बड़ा का इनाम

मैक्सिको, एजेंसी। मैक्सिको में सबसे ताकतवर माने जाने वाले ड्रग कार्टेल जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) को एक और बड़ा झटका लगा है। सोमवार को मैक्सिको की सेना ने इस गिरोह के बड़े नेता ऑडियास फ्लोरेस सिल्वा को गिरफ्तार कर लिया। उसे एल जार्डिनेरो यानी माली के नाम से भी जाना जाता है। मैक्सिको सरकार के मुताबिक, फ्लोरेस सिल्वा को नयारिट राज्य के एल मिराडोर इलाके के पास सड़क किनारे एक गड्ढे में छिपे हुए पकड़ा गया। उसकी गिरफ्तारी के दौरान कोई मुठभेड़ नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ। फ्लोरेस सिल्वा को कार्टेल के मारे गए सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वांतेस उर्फ एल मेंचो का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा था। एल मेंचो फरवरी में मैक्सिकन सेना के एक बड़े ऑपरेशन में मारा गया था। उसकी मौत के बाद पूरे देश में हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 70 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जिनमें 25 नेशनल गार्ड के जवान भी शामिल थे। बता दें कि अमेरिका ने फ्लोरेस सिल्वा की गिरफ्तारी पर 5 मिलियन डॉलर (करीब 40 करोड़ रुपये) का इनाम रखा था। वह कार्टेल में सुरक्षा प्रमुख था और नशे के कारोबार को जलिस्को, मैक्सिको स्टेट, जाकाटेकास और नयारिट जैसे इलाकों में चलाने में अहम भूमिका निभाता था। उसकी गिरफ्तारी के बाद कुछ इलाकों में हिंसा की खबरें भी आईं, जहां कार्टेल के लोगों ने गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी। इस कार्रवाई की तारीफ रोनाल्ड जॉनसन (अमेरिकी राजदूत) ने भी की।

आरोपी एलन ने परिवार से माफी मांग खरीदे हथियार,

अमेरिकी सुरक्षा घेरा तोड़ने की थी साजिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। वाशिंगटन में व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान हुई फायरिंग की घटना ने अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, आरोपी कोल टॉमस एलन को लेकर चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने हमले से कुछ समय पहले अपने परिवार और एक पूर्व नियोक्ता को ईमेल भेजा था। इसमें उसने माफी और स्पष्टीकरण शीर्षक वाला दस्तावेज भी संलग्न किया था। ईईमेल में एलन ने लिखा, 'मैंने जो भी परेशानी पैदा की है, उसके लिए मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं और साथ ही यह भी कहा कि वह जो करने वाला है उसके लिए उसे माफी की उम्मीद नहीं है। मेरे प्रतिनिधियों के कार्यों का मुझ पर प्रभाव पड़ता है और मैं अब अपराधों को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हूं।' जांच एजेंसियों का कहना है कि यह संदेश हमले की पूर्व-योजना का स्पष्ट संकेत देता है।

कैलिफोर्निया से खरीदे थे हथियार : जांच में सामने आया है कि आरोपी ने हमले के लिए कई हथियार पहले ही खरीद लिए थे, जिनमें 12-गेज शॉटगन और .38 कैलिबर पिस्तौल शामिल हैं। ये हथियार उसने कैलिफोर्निया में खरीदे और बाद में उन्हें वाशिंगटन डीसी तक ले गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने 6 अप्रैल को वाशिंगटन हिल्टन में 24 से 26 अप्रैल तक तीन रातों के लिए बुकिंग कर ली थी और कार्यक्रम स्थल की रेकी भी की थी। वह उसी होटल में ठहरा था जहां हाई-प्रोफाइल डिनर आयोजित होना था, जिसमें राष्ट्रपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

ट्रेन से पहुंचा वाशिंगटन : एलन ने 21 अप्रैल को लॉस एंजिल्स के पास स्थित अपने घर से ट्रेन से यात्रा शुरू की और 23 अप्रैल को शिकागो पहुंचा। इसके बाद वह वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हुए, जहां वे 24 अप्रैल को दोपहर लगभग 1 बजे पहुंचा। दोपहर लगभग 3 बजे वह होटल पहुंचा और रातभर वहीं रुका रहा, उसने खुद को उसी इमारत के अंदर रखा, जहां वह हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम आयोजित होने वाला था। अधिकारियों ने बताया कि कोल टॉमस एलन को रात्रिभोज के कार्यक्रम और वरिष्ठ अमेरिकी नेताओं की उपस्थिति की जानकारी थी। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और मंत्रिमंडल के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम होटल के कॉनकोर्स तल पर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में रात लगभग 8 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम शुरू होने के लगभग 40 मिनट बाद आरोपी सुरक्षा चेकपॉइंट तक पहुंचा। इस दौरान गोली चलने की आवाज सुनाई दी और सीक्रेट सर्विस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे काबू में कर लिया। इस दौरान एक अधिकारी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से उसकी जान बच गई।

गहराई से चल रही जांच : अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह हमला अचानक नहीं बल्कि पूरी तरह योजनाबद्ध था। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या आरोपी को किसी बाहरी व्यक्ति या संगठन की मदद मिली थी। जांचकर्ताओं ने बताया कि संदिग्ध के होटल के कमरे, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और यात्रा इतिहास से अतिरिक्त सबूतों की समीक्षा की जा रही है। आरोपी की इस काम में किसी ने मदद की थी या नहीं, उसकी भी जांच की जा रही है।

रुबियो ने कहा- ईरान का नया शांति प्रस्ताव उम्मीद से बेहतर, परमाणु हथियार क्षमता पर क्या बोले?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण कूटनीतिक माहौल के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि तेहरान की ओर से हाल में भेजा गया नया प्रस्ताव अमेरिका की उम्मीद से बेहतर है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि किसी भी संभावित समझौते की सबसे बड़ी शर्त यही होगी कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की ओर से जो नया ढांचा पेश किया गया है, उसमें पहले चरण में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का सुझाव शामिल है। इसके बाद परमाणु मुद्दे पर विस्तृत बातचीत को आगे बढ़ाने की बात कही गई है। अमेरिकी अधिकारी फिलहाल इस चरणबद्ध प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं।

अपने एक इंटरव्यू में रुबियो ने कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि यह प्रस्ताव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्वीकार होगा या नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई समझौता नहीं होता है तो उसके परिणाम क्या होंगे, इस पर अंतिम फैसला राष्ट्रपति ही करेंगे। रुबियो ने कहा कि परमाणु मुद्दा ही वह वजह है जिसके कारण यह पूरा संकट शुरू हुआ। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम आज भी क्षेत्रीय तनाव का मुख्य कारण बना हुआ है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि तेहरान फिलहाल समय खरीदने की रणनीति पर काम कर रहा है। रुबियो के मुताबिक, ईरान के वार्ताकार बेहद अनुभवी हैं, इसलिए अमेरिका को ऐसा समझौता चाहिए जो निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करे कि ईरान किसी भी समय तेजी से परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे न बढ़ सके। अमेरिकी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि ईरान के भीतर आंतरिक सत्ता संघर्ष और निर्णय प्रक्रिया भी बातचीत को जटिल बना रही है।

ट्रंप के जीत वाले दावे पर ईरान ने लेगो स्टाइल में लिए मजे, सोशल मीडिया पर छिड़ा मीम युद्ध!

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अब एक नया मोर्चा खुल गया है। यह मोर्चा किसी सीमा पर नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर सक्रिय है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही सैन्य तल्खी अब मीम युद्ध में बदल गई है। इस बार ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधने के लिए लेगो-स्टाइल एआई मीम का सहारा लिया है। आइए, जानते हैं कि क्या है पूरा मामला। घाना स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक व्यंग्यात्मक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में डोनाल्ड ट्रंप को सोते हुए दिखाया गया है। वीडियो में उनके सलाहकार आपस में बहस कर रहे हैं। सलाहकार इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि राष्ट्रपति को जगाया जाए या नहीं। जब एक सहायक उन्हें जगाने का सुझाव देता है, तो दूसरा जवाब देता है कि उन्हें परेशान न किया जाए। दूसरा सहायक कहता है कि राष्ट्रपति अभी ईरान को हराने का सपना देख रहे हैं। इस वीडियो के साथ एक तीखा कैप्शन भी लिखा गया है। इसमें लिखा है, 'वह सपना देख रहे होंगे कि उन्होंने ईरान को हरा दिया है। उन्हें सोने दें।' घाना स्थित ईरानी दूतावास टोगो और लाइबेरिया के लिए भी मान्यता प्राप्त है। इस दूतावास के आधिकारिक अकाउंट से पोस्ट किया गया यह वीडियो अब जंगल की आग की तरह सोशल मीडिया पर फैल गया है।

28 फरवरी 2026 को शुरू हुई सैन्य झड़पें अब अपने तीसरे महीने में प्रवेश कर चुकी हैं। एक तरफ ट्रंप प्रशासन लगातार ईरान पर बड़ी सैन्य जीत के दावे कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, ईरान शब्दों और डिजिटल तस्वीरों के जरिए इस नैरेटिव को काटने की कोशिश कर रहा है।

सोशल मीडिया पर जनता की प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं काफी बंटी हुई हैं। कुछ लोग इसे मजा के तौर पर देख रहे हैं तो कुछ लोगों ने ऐतराज भी जताया है। एक यूजर ने लिखा, 'आप लोग असल में यह नहीं समझते कि अमेरिका कैसे काम करता है। आपका युद्ध राष्ट्रपति ट्रंप से नहीं है। वह तो सिस्टम का एक छोटा हिस्सा हैं जो थोड़े मुखर हैं। कार्टून बनाकर चमत्कार की उम्मीद करना कोई जीतने वाली रणनीति नहीं है।' बताते चलें कि जमीन पर सैन्य स्थिति अब भी अनिश्चित बनी हुई है, लेकिन डिजिटल दुनिया में यह जंग हर दिन नई शक्ल ले रही है।

क्या हिंदू होने की वजह से बचे काश पटेल?

हमलावर की हिटलिस्ट में ट्रंप की पूरी टीम, एफबीआई चीफ का नहीं था

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम पर हमले की साजिश रचने वाले हमलावर ने केवल काश पटेल को बख्शा। अब जांचकर्ताओं का मानना है कि उनकी हिंदू पहचान या कानून प्रवर्तन अधिकारी होना उनकी सुरक्षा की बड़ी वजह हो सकती है। इस मामले में और भी कई खुलासे हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम पर पिछले दिनों हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। अब इस मामले में एक ऐसा खुलासा हुआ है जिसने सुरक्षा एजेंसियों को चकित कर दिया है। हमलावर कोल एलन के पास से बरामद घोषणापत्र की जांच में सामने आया है कि डोनाल्ड ट्रंप की पूरी टीम उसके निशाने पर थी। लेकिन उसने केवल एक नाम को जानबूझकर छोड़ दिया था। वो हैं एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल।

अमेरिकी जांच एजेंसियां अब इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी हैं। वे जानना चाहते हैं कि आखिर काश पटेल को सूची से बाहर क्यों रखा गया। जांचकर्ता दो प्रमुख सिद्धांतों पर काम कर रहे हैं। पहला और सबसे चर्चित कारण उनकी धार्मिक पहचान मानी जा रही है। द न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, हमलावर कोल एलन के विचारों में स्पष्ट रूप से ईसाई-विरोधी नफरत भरी थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि हिंदू होने की वजह से काश पटेल हमलावर के निशाने पर फिट नहीं बैठे। हमलावर ने अपनी हिंसा को सही ठहराने के लिए जिन नैतिक और धार्मिक तर्कों का सहारा लिया, उसमें हिंदू धर्म के प्रति उसका कोई विरोध नहीं दिखा।

हमलावर ने बनाए थे कड़े नियम

बताया जा रहा है कि शूटर ने हमले के लिए कुछ कड़े नियम बनाए थे। इनमें से एक नियम था 'लॉ एन्फोर्समेंट' यानी कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सीधा नुकसान न पहुंचाना। काश पटेल एफबीआई के शीर्ष पद पर हैं। इसलिए उन्हें इस श्रेणी में रखा गया होगा। हालांकि, यह थ्योरी पूरी तरह सटीक नहीं बैठती। हमले के दौरान एक सुरक्षा अधिकारी को गोली लगी थी। उसकी जान केवल बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से बची।

मामले में एक के बाद एक बड़े खुलासे

कोल एलन ने इस हमले के लिए अधिकारियों की एक बाकायदा रैंकिंग वाली लिस्ट तैयार की थी। उसने अपने मैनीफेस्टो में लिखा था, 'प्रशासन के अधिकारी मेरे लक्ष्य हैं।' चौंकाने वाली बात यह है कि हमलावर ने घटना को अंजाम देने से ठीक 10 मिनट पहले यह दस्तावेज अपने परिवार को भेजा था।

25 अप्रैल का खौफनाक घटनाक्रम

यह हमला 25 अप्रैल को वाशिंगटन के हिल्टन होटल में हुआ था। कोल एलन कई घातक हथियारों के साथ सुरक्षा घेरा तोड़कर मुख्य कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने की फिराक में था। हालांकि, सीक्रेट सर्विस की मुस्तैदी से उसे पहले ही रोक लिया गया। इस दौरान हुई गोलीबारी में अफरा-तफरी मच गई। डोनाल्ड ट्रंप और वहां मौजूद अन्य वीवीआईपी अधिकारियों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया। वर्तमान में कोल एलन पर हत्या के प्रयास और अवैध हथियारों से जुड़ी संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

रक्षा मंत्री ने किर्गिस्तान के विजय चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित की, एससीओ बैठक में होंगे शामिल

बिश्केक, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह किर्गिस्तान के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मंगलवार को बिश्केक के विजय चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की, जो नाजी जर्मनी पर विजय को समर्पित एक स्मारक है।

रक्षा मंत्रालय ने एक्स के एक बयान में कहा, 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए अपनी यात्रा के दौरान किर्गिस्तान के बिश्केक में विजय चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की।' इसके बाद में वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे।

आतंकवाद पर भारत का कड़ा रुख

रक्षा मंत्री सोमवार को एससीओ बैठक के लिए किर्गिस्तान के बिश्केक पहुंचे। बिश्केक स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पोस्ट में लिखा,' 27-28 अप्रैल 2026 को एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए बिश्केक पहुंचने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी। 27 अप्रैल 2026 को मानस हवाई अड्डे पर राजदूत सिंह द्वारा स्वागत किया गया।' राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा,' किर्गिस्तान के लिए रवाना होने से पहले रक्षा मंत्री ने कहा कि वह विश्व में व्याप्त मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों के बीच वैश्विक शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करेंगे और आतंकवाद और चरमपंथ के प्रति शून्य सहिष्णुता के भारत के निरंतर रुख से भी अवगत कराएंगे। मंगलवार को बिश्केक में होने वालें बैठक के दौरान एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्री क्षेत्र की रक्षा और सुरक्षा से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मंत्री अंतरराष्ट्रीय शांति, आतंकवाद-विरोधी उपायों और एससीओ सदस्य देशों के बीच रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।मंत्रालय ने उल्लेख किया 'इस वर्ष की एससीओ बैठक पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण उत्पन्न भू-राजनीतिक उथल-पुथल की पृष्ठभूमि में हो रही है।

अमेरिका में हिंदू मंदिरों को खतरों से बचाने की तैयारी, कांग्रेस ने पेश किया बड़ा बिल; कैसे होगी सुरक्षा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों पर हो रहे लगातार हमलों के बीच अमेरिकी कांग्रेस में एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य हिंदू मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों को उत्पीड़न से बचाना है। लॉमेकर्स का कहना है कि अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए खतरे बढ़ रहे हैं। इस प्रस्ताव का नाम 'सेफगार्डिंग एक्सेस टू कांग्रेगेशन्स एंड रिलीजियस एस्टैब्लिशमेंट्स फ्रॉम डिसरप्शन' (सेक्रेड एक्ट) है। इसके तहत किसी भी पूजा स्थल के 100 फीट के दायरे में लोगों को डराना, रास्ता रोकना या परेशान करना संघीय अपराध माना जाएगा।

इस प्रस्ताव को टॉम सुओजी ने पेश किया था और मैक्स मिलर ने इसमें उनका साथ दिया। सुओजी ने कहा कि किसी को भी परेशान होने या डराए-धमकाए जाने का हकदार नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब वे अपने पूजा स्थल की ओर जा रहे हों। वहीं, मिलर ने कहा कि हर अमेरिकी को बिना किसी डर, धमकी या उत्पीड़न के अपने धर्म का पालन करने का हक है।

बता दें अमेरिकी कांग्रेस का यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब धार्मिक स्थलों के आसपास हमलों और डराने-धमकाने की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है। समर्थकों का कहना है कि हिंदू मंदिर, यहूदी प्रार्थना स्थल, मस्जिद और चर्च- सभी इस तरह की घटनाओं का सामना कर रहे हैं। 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' ने कहा कि पूरे अमेरिका में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने और उन्हें अपवित्र करने की घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है, जिससे श्रद्धालुओं में असुरक्षा की भावना पैदा हुई है।

ऐसे में इस कानून के तहत अगर कोई पहली बार दोषी पाया जाता है, तो उसे जुर्माना या एक साल तक की जेल हो सकती है। अगर वही व्यक्ति दोबारा ऐसा करता है, तो सजा और सख्त हो सकती है, जिसमें तीन साल तक की जेल भी शामिल है। यह बिल पीड़ितों को दीवानी (सिविल) मामले दर्ज करने का अधिकार भी देता है। इसके अलावा अमेरिका के अटॉर्नी जनरल समेत अधिकारी ऐसे मामलों में रोक लगाने और मुआवजा दिलाने के लिए कदम उठा सकते हैं।

गौरतलब है कि इस बिल को कई संगठनों का समर्थन मिला है, जिनमें 'एंटी-डेफेमेशन लीग', 'अमेरिकन ज्यूइश कमेटी' और 'इस्लामिक सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका' शामिल हैं। एंटी-डिफेमेशन लीग के अनुसार, यहूदियों के खिलाफ नफरत की घटनाएं बढ़ रही हैं।

लेबनान में इस्राइली हमलों में चार की मौत; यूएन महासचिव ने की होर्मुज को तुरंत खोलने की अपील

लेबनान, एजेंसी। ईरान ने प्रस्ताव में यह भी शामिल है कि इस्राइल से जुड़े या उसके स्वामित्व वाले जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, अन्य शत्रु देशों और उनसे जुड़े जहाजों पर भी सख्त प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। ईरान का कहना है कि जिन देशों ने उस पर प्रतिबंध लगाए या विदेशी बैंकों में उसके धन को रोककर आर्थिक नुकसान पहुंचाया है, उनसे जुड़े जहाजों पर लगाए गए टोल के जरिए उस नुकसान की भरपाई की जाएगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर टोल लगाने की तैयारी : ईरान अब होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल वसूलने की योजना पर काम कर रहा है। खास बात यह है कि यह शुल्क डॉलर या किसी विदेशी मुद्रा में नहीं, बल्कि ईरानी करेंसी रियाल में लिया जाएगा। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी के अनुसार, इस संबंध में 11 बिंदुओं वाला प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे समिति से मंजूरी मिल चुकी है। अब इसे संसद के मुख्य सदन में पेश किया जाएगा, जहां से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून का रूप ले सकता है।

ईरान ने रूस के साथ बातचीत को बताया सकारात्मक : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि मौजूदा क्षेत्रीय हालात तेजी से बदल रहे हैं और ऐसे समय में रूस के साथ हुई बातचीत बेहद सकारात्मक रही। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हाल की घटनाएं यह दिखाती हैं कि ईरान और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। अराघची ने कहा कि दोनों देशों के संबंध आगे बढ़ रहे हैं और ईरान रूस के समर्थन को महत्व देता है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने की होर्मुज को खोलने की अपील : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की अपील की है। सुरक्षा परिषद की बैठक में उन्होंने कहा कि जहाजों को बिना किसी टैक्स या भेदभाव के गुजरने देना चाहिए, ताकि वैश्विक अर्थव्यवस्था सांस ले सके। मार्च से इस रास्ते के बंद होने से दुनिया के तेल, गैस और खाद की आपूर्ति पर बुरा असर पड़ा है। गुटेरेस ने चेतावनी दी कि इससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया में भुखमरी का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने इसे कोविड के बाद सबसे बड़ा आर्थिक झटका बताया और सभी पक्षों से बातचीत और संयम बरतने का आग्रह किया।

युद्धविराम के बावजूद लेबनान पर इस्राइली हमले जारी : इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्ला के रॉकेट और ड्रोन को देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि इस खतरे को खत्म करने के लिए सैन्य कार्रवाई जरूरी है। नेतन्याहू के मुताबिक, हिजबुल्ला के 122 एमएम रॉकेट और ड्रोन को रोकने के लिए तकनीक और सेना का इस्तेमाल करना होगा। सोमवार को इस्राइली सेना ने लेबनान की बेका घाटी और दक्षिणी इलाकों में हिजबुल्ला के 20 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए। इनमें हथियारों के गोदाम और रॉकेट लॉन्च पैड शामिल हैं। इन हमलों में चार लोगों के मारे जाने की खबर है। युद्धविराम के बावजूद इस्राइल का कहना है कि वह किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए हमला करने का अधिकार रखता है।

48 घंटों में तीसरी बार पाकिस्तान दौरे पर पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री अराघची : ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची मंगलवार को रूस से सीधे इस्लामाबाद पहुंचे। यह यात्रा अमेरिका के साथ संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से चल रहे राजनयिक प्रयासों का हिस्सा है। प्रेस टीवी के अनुसार, पिछले 48 घंटों में यह उनकी पाकिस्तान की तीसरी यात्रा है।

अराघची की यह नवीनतम यात्रा रूस और ओमान सहित कई देशों में उच्च स्तरीय मुलाकातों की श्रृंखला के बाद हुई है। इससे पहले, अराघची ने सेंट पीटर्सबर्ग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता की, जहां द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। ईरानी विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। अराघची ने बताया कि पुतिन के साथ उनकी बैठक बहुत अच्छी रही। यह बातचीत डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक चली। इसमें अमेरिका और इस्राइल की आक्रामकता और युद्ध पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों और क्षेत्र के ताजा हालातों पर भी विचार साझा किए। अराघची ने कहा कि बैठक में सहयोग बढ़ाने के लिए कई अच्छे सुझाव सामने आए। यह मुलाकात अराघची के तीन देशों के राजनयिक दौरे का हिस्सा थी। रूस आने से पहले उन्होंने पाकिस्तान और ओमान की यात्रा भी की थी।

स्वत्वाधिकारी 'बात हिन्दुस्तान की' (पाक्षिक) पेपर के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी, गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन नं.: 8902221434 से प्रकाशित एवं एल.एस पब्लिकेशन्स प्रा. लि.4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता -700015 से मुदित, सम्पादक- वैद्यनाथ झा, फोन-9798848926 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट - www.baathindustanki@gmail.com
(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan ki' Smt. Soni Kumari Jha, 223, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO_R.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from L.S. publication private limited.4 no, canel west road, Kolkata 700015, Editor: Baidyanath Jha Mo. 9798848926, Email/Website: www.baathindustanki@gmail.com